दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

फिल्म एक दिन का नया पोस्टर ...8

बलरामपुर
सोमवार, 16 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 135 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

ढाका में तारिक रहमान की ताजपोशी

शपथ समारोह में पीएम मोदी की जगह जाएंगे ओम बिरला

ढाका। बांग्लादेश में हुए ऐतिहासिक चुनावों के बाद अब सत्ता हस्तांतरण की तैयारी पूरी हो चुकी है। आगामी 17 फरवरी को ढाका में आयोजित होने वाले नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला शिरकत करेंगे। बांग्लादेश सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस समारोह के लिए विशेष निमंत्रण भेजा था। हालांकि, पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण पीएम मोदी का ढाका जाना संभव नहीं हो पा रहा है। 17 फरवरी को मुंबई में प्रधानमंत्री मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठक होनी है। ऐसे में भारत ने अपने लोकतंत्र के प्रतिनिधि के रूप में स्पीकर ओम बिरला को भेजने का निर्णय लिया है, जो दोनों देशों के बीच मजबूत लोकतांत्रिक संबंधों का प्रतीक है। भारत सरकार ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, श्समारोह में ओम बिरला की मौजूदगी यह दर्शाती है कि नई दिल्ली, ढाका के साथ अपने रिश्तों को कितना महत्व देती है। यह यात्रा दोनों पड़ोसी देशों के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और भविष्य के सहयोग की दिशा में एक बड़ा कदम है।

क्षेत्रीय नेताओं का जमावड़ा: तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में दक्षिण एशिया के कई बड़े नेता शामिल होंगे। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भी ढाका पहुँचने की उम्मीद है। मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने भारत और पाकिस्तान के अलावा चीन, सऊदी अरब, तुर्की, यूएई, मलेशिया और श्रीलंका सहित कुल 13 देशों को आमंत्रित किया है।

कौन हैं तारिक रहमान?: पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान लंबे समय बाद स्वदेश लौटे हैं। उन्होंने लगभग 17 साल लंदन में निर्वासित जीवन बिताया। अपनी पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने लंदन से ही डिजिटल माध्यमों और जमीनी स्तर पर चुनावी अभियान का नेतृत्व किया और अब वे देश की कमान संभालने जा रहे हैं।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ बनाया 8-1 का रिकॉर्ड, 61 रनों से जीतकर सुपर-8 में की दबंग एंट्री

दो पड़ोसी मुल्क यानी कि भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाला क्रिकेट मैच हमेशा की तरह रोमांचक होता है। हालांकि, टी20 विश्व कप 2026 में कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मैच में भारत में पाकिस्तान को एक तरफा मुकाबले में हरा दिया है। भारत की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 175 रन बनाए थे। हालांकि पाकिस्तान की टीम महज 114 रन के ही स्कोर पर ऑल आउट हो गई। भारत की ओर से शुरू में हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह ने जबर्दस्त गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। बाद में अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव की घातक गेंदबाजी ने पाकिस्तान की पूरी तरीके से कमर तोड़कर रख दी। भारत की ओर से गेंदबाजी करते हुए अक्षर पटेल ने दो सफलताएं हासिल की जबकि कुलदीप यादव को एक और वरुण चक्रवर्ती ने दो सफलताएं मिली। एक विकेट तिलक वर्मा के खाते में भी गया।

माघ मेला: 44 दिनों में 22 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

महाशिवरात्रि पर मेले का हुआ समापन

लखनऊ। प्रयागराज के पावन संगम तट पर लगे धर्म–कर्म, त्याग और समर्पण के माघ मेले का समापन रविवार को महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर हुआ। हर हर महादेव के जयघोष और ऊं नमरू शिवाय के मंत्रोच्चार से संगम नगरी गूंज उठी। गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी ने रुद्राभिषेक–जलाभिषेक कर प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की प्रार्थना की। काशी विश्वनाथ धाम में पुष्पवर्षा से शिवभक्तों का स्वागत हुआ। देश–विदेश के 63 मंदिरों से आई भेंट को भगवान श्री विश्वेश्वर को अर्पित किया गया।

माघ मेले में 22 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी: प्रयागराज में माघ मेले में महाशिवरात्रि स्नान पर्व पर 40 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाई। 44 दिन चले माघ मेले में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 22 करोड़ को पार कर गई। ये अब तक किसी भी माघ मेले का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ माघ मेले के आयोजन और तैयारियों पर नजर रखे हुए थे और महाशिवरात्रि पर भी लगातार खबर ले रहे थे।

गोरखपुर में मुख्यमंत्री ने भगवान शिव का किया रुद्राभिषेक: गोरखपुर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने रविवार सुबह गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कर प्रदेशवासियों के आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय व शांतिमय जीवन की मंगलकामना की। मुख्यमंत्री ने अंधियारी बाग स्थित प्राचीन मानसरोवर मंदिर और भरोहिया के पितेश्वरनाथ शिव मंदिर में भी दर्शन, पूजन व दुग्धाभिषेक–जलाभिषेक किया और चराचर जगत के कल्याण की प्रार्थना की।

भारत–अमेरिका व्यापार समझौते पर राहुल गाधी का हमला तेज

बोले:मोदी सरकार कर रही किसानों से विश्वासघात

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत–अमेरिका व्यापार समझौते के ढांचे को लेकर केंद्र सरकार पर अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि इस समझौते के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। एक पोस्ट में गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका से डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (डीडीजी) फसलों के आयात का मतलब पूछा। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह होगा कि भारतीय पशुओं को आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा, और सवाल उठाया कि क्या इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर हो जाएगा। राहुल गांधी ने कहा कि हम अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के नाम पर भारत के किसानों के साथ विश्वासघात देख रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री से कुछ सीधे सवाल पूछना चाहता हूंरू डीडीजी आयात का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय पशुओं को जीएम अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा? क्या इससे हमारा दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएगा? कांग्रेस सांसद ने आगे इस बात पर जोर दिया कि अगर अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति दी जाती है, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के भारतीय सोयाबीन किसानों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? उन्होंने अतिरिक्त उत्पाद शब्द का अर्थ भी स्पष्ट करते हुए पूछा कि क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ भारत पर दालों और अन्य फसलों के बाजारों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा? राहुल गांधी ने कहा कि अगर हम आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के हमारे सोयाबीन किसानों का क्या होगा? वे एक और मूल्य वृद्धि का सामना कैसे करेंगे? जब आप श्अतिरिक्त उत्पादश कहते हैं, तो वास्तव में इसमें क्या शामिल है? क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ दालों और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा? गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत पर आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर अपना रुख नरम करने का कोई दबाव पड़ेगा, और कहा कि भारतीय किसानों को इन सवालों के स्पष्ट जवाब पाने का अधिकार है।

उत्तर-पूर्वी राज्यों में सुबह-सुबह भूकंप के 4 झटके

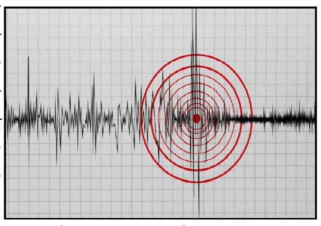

आज रविवार, 15 फरवरी की सुबह भारत के उत्तर–पूर्वी राज्यों में भूकंप के कई झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल चार झटके दर्ज किए गए, जिनमें से तीन सिक्किम और एक त्रिपुरा में आया। सिक्किम के नामची में सुबह 5रू26 बजे और फिर 6रू58 बजे 2.4 तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए, जबकि मंगन में सुबह 5रू10 बजे 2.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसके साथ ही त्रिपुरा के गोमती जिले में भी सुबह 6रू38 बजे 2.6 तीव्रता का झटका दर्ज किया गया। राहत की बात यह है कि इन झटकों की तीव्रता कम थी और केंद्र जमीन से केवल 5 से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भारत के अलावा दुनिया के कई अन्य देशों में भी आज धरती डोली है। अफगानिस्तान में सुबह 4रू28 बजे 4.3 तीव्रता का सबसे तेज झटका महसूस किया गया, जिससे वहां हल्के नुकसान की खबरें मिल रही हैं, हालांकि किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसके अलावा म्यांमार में तड़के दो बार 3.2 तीव्रता के झटके लगे। वहीं अमेरिका के ओक्लाहोमा, इंडोनेशिया के जावा, चिली और पुर्तगाल के अजोरेस द्वीप समूह में भी भूकंप की थराहट दर्ज की गई। यूरो–मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के अनुसार, पुर्तगाल में आए भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई। विशेषज्ञों के अनुसार, आज आए इन झटकों से कहीं भी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। सिक्किम और त्रिपुरा में आए भूकंप हल्के स्तर के थे, जिनसे जनजीवन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर भूकंप हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय रहे हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया भर में भूकंपों के कारण हर साल औसतन 40 से 60 अरब डॉलर (लगभग 3 से 5 लाख करोड़ रुपये) का आर्थिक नुकसान होता है। 2011 में जापान का तोहोकू भूकंप और 2023 में तुर्की–सीरिया में आई तबाही इसके भयावह उदाहरण हैं। सालाना आधार पर भूकंप के कारण औसतन 10,000 से 20,000 लोगों की जान जाती है, लेकिन यह संख्या आपदा की तीव्रता के आधार पर बदलती रहती है।

एमएसपी पर राहुल गांधी को अमित शाह का करारा जवाब

कहा– झूठ बोलकर जनता को गुमराह न करें

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कांग्रेस और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर झूठ बोलकर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछली यूपीए सरकार की तुलना में किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर 15 गुना अधिक अनाज खरीदा है। गांधीनगर में एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि कांग्रेस सरकार और कांग्रेस नेतृत्व हमेशा झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हैं। मुझे इस पर हंसी आती है। यह घटना राहुल गांधी द्वारा 2026 के बजट सत्र के पहले चरण के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को सरकार की आलोचना का मुख्य बिंदु बनाने के बाद सामने आई है, खासकर भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते के संदर्भ में। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत–अमेरिका व्यापार समझौता किसानों के साथ धोखा है, जिससे खरीद प्रणाली कमजोर हो सकती है और एमएसपी और बोनस में कमी आ सकती है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर सरकार सस्ते अमेरिकी आयात की अनुमति देती है, जिससे घरेलू एमएसपी अप्रभावी हो सकता है, तो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे राज्यों में कपास, सोया और मक्का के किसान ष्मूल्य संकटष् से कैसे निपटेंगे। 13 फरवरी, 2026 को गांधी ने संसद में किसान संघों के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जहां उन्होंने एमएसपी की कानूनी गारंटी के लिए सरकार पर दबाव डालने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

बारामती प्लेन क्रैश मामले में रोहित पवार ने शाह और डीजीसीए को लिखा पत्र, जांच की मांग की

कर्जत–जामखेड से विधायक और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) के नेता रोहित पवार ने शनिवार को कहा कि उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 28 जनवरी को हुए विमान हादसे की व्यापक और पारदर्शी जांच की मांग की है, जिसमें अजीत पवार की जान चली गई थी। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में रोहित पवार ने कहा कि उन्होंने अपनी चिंताओं को विस्तार से बताते हुए एक विस्तृत ईमेल और एक प्रेजेंटेशन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू और नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को भेजा है। उन्होंने अधिकारियों को भेजे गए पत्रों और ईमेल की तस्वीरें भी साझा कीं और कहा कि उनकी यह मांग राजनीतिक रूप से प्रेरित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य दुर्घटना से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट और पारदर्शी तरीके से स्थापित करना है। रोहित पवार ने कहा, ष्यह महत्वपूर्ण है कि घटनाओं का वास्तविक क्रम लोगों के सामने रखा जाए ताकि अटकलों या संदेह की कोई गुंजाइश न रहे। इससे पहले, 10 फरवरी को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने दावा किया था कि इस दुखद विमान दुर्घटना में संभावित तोड़फोड़ की आशंका के कारण मौजूद हैं और उन्होंने गहन जांच की मांग की थी। उनके इस नवीनतम बयान पर संबंधित मंत्रालयों या डीजीसीए की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अधिकारियों द्वारा 28 जनवरी की दुर्घटना से संबंधित परिस्थितियों की जांच जारी रखने की उम्मीद है।

तमिलनाडु में Thalapathy Vijay बिगाड़ेंगे खेल? कार्ति चिदंबरम बोले– सेक्युलर वोट बंटेंगे

तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के बीच, कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा कि अभिनेता से राजनेता बने और तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के प्रमुख विजय, राज्य में अपनी लोकप्रियता के कारण, सभी पार्टियों के बीच धर्मनिरपेक्ष रूप से वोटों को विभाजित कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इससे राजनीतिक परिदृश्य में एक नया तीसरा मोर्चा बन सकता है। एएनआई को दिए एक विशेष साक्षात्कार में चिदंबरम ने विजय के मजबूत प्रशंसक आधार का जिक्र करते हुए कहा कि अभिनेता को जनता का भरपूर समर्थन प्राप्त है, जो चुनावी समर्थन में तब्दील हो सकता है। हालांकि, कार्ति चिदंबरम ने सवाल उठाया कि क्या यह चुनावी समर्थन अंततः उन्हें विधानसभा चुनावों में सीटें दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि विजय एक बहुत लोकप्रिय फिल्म स्टार हैं। उनका प्रशंसक आधार निश्चित रूप से बहुत मजबूत है। यह प्रशंसक आधार समर्थन आधार में बदल सकता है। समर्थन आधार संभावित रूप से वोट आधार में बदल सकता है।

सीएम का फुल फॉर्म करप्ट माउथ

शंकराचार्य मुद्दे पर अखिलेश ने योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (एसपी) के प्रमुख अखिलेश यादव ने केंद्र और उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकारों पर तीखा हमला बोला, वहीं उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमउद्दीन सिद्दीकी ने कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद औपचारिक रूप से समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए यादव ने सीएमष् शब्द का नया अर्थ देते हुए कहा, आजकल सीएम का मतलब श्भ्रष्ट मुंहश भी होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर स्पष्ट रूप से कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, हमारे मुख्यमंत्री एक शखिलाड़ीश हैं, लेकिन खेल नहीं पा रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली और लखनऊ दोनों राज्यों का राजनीतिक माहौल ष्खराबष् है और दोनों ही स्तरों पर शासन व्यवस्था की विफलता का आरोप लगाया। यादव ने कुछ नेताओं पर शंकराचार्य का अपमान करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कुछ लोग हमारे पूज्य शंकराचार्य का अपमान कर रहे हैं। भगवा वस्त्र धारण करने वाले हर व्यक्ति को हम आदर की दृष्टि से देखते हैं, लेकिन ये लोग किस तरह की भाषा का प्रयोग कर रहे हैं? जब भी ये मुंह खोलते हैं, बुराई ही करते हैं। उन्होंने प्रशासनिक माध्यमों से दूसरों से प्रमाण पत्र मांगने वालों पर भी सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, जो लोग दूसरों के प्रमाण पत्र मांग रहे हैं, उनके अपने प्रमाण पत्र कहां हैं? रक्षा खरीद से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए यादव ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, "अगर हम करोड़ों रुपये के राफेल विमान खरीद रहे हैं, तो 'मेक इन इंडिया' का क्या हुआ? उन्होंने केंद्र सरकार के आर्थिक बयानों में विरोधाभास का आरोप लगाया।

आर्थिक प्रतिबंध हटेगा तब होगी न्यूक्लियर डील पर बात..., ईरान ने अमेरिका को दी खुली चुनौती

नई दिल्ली। ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त–रवांची ने बीबीसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि अगर वाशिंगटन ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने पर चर्चा को तैयार हो तो वह अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील तक पहुंचने के लिए समझौता करने पर विचार करने को तैयार है। ईरान ने कहा कि वह प्रतिबंधों को हटाने के बदले में अपने परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाने पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन उसने इस मुद्दे को मिसाइलों सहित अन्य सवालों से जोड़ने से इन्कार किया है। रवांची ने पुष्टि की कि परमाणु वार्ता का दूसरा दौर मंगलवार को जिनेवा में होगा, इससे पहले तेहरान और वाशिंगटन ने इस महीने की शुरुआत में ओमान में बातचीत फिर से शुरू की थी। उन्होंने कहा कि शुरुआती बातचीत कमोबेश सकारात्मक दिशा में हुई, लेकिन अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।

हादसे में तीन लोग घायल

जौनपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के सीहींपुर के पास सुबह करीब 9 बजे आटो और बाइक की टक्कर में तीन लोग घायल हो गयें हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मछलीशहर की ओर से एक आटो आ रहा था तभी विपरीत दिशा से बाइक आ रही बाइक से टक्कर हो गई। यह हादसा एक अवैध कट के कारण हुआ है। इस हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंचे लोगों ने सिकरारा क्षेत्र के जनवेरा गांव निवासी 28 वर्षीय विक्की यादव और इब्राहिमाबाद निवासी राकेश कुमार व एक अज्ञात घायल को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया।

रंक्तरंजित मिली युवक की लाश

जौनपुर।सुबह रंक्तरजित एक युवक की लाश मिलने से हड़कंप मच गया। युवक की लाश के पास से गुलाब की पंखुड़ियां पाई गई है। गौराबादशाहपुर नगर पंचायत सीमा से करीब 50 मीटर दूर जिवली स्थित यूनियन बैंक के पास एक युवक की लाश पाई गई। उस युवक के चेहरे पर गहरे चोट के निशान थे। घटनास्थल की परिस्थितियों को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलते ही पहुंची पुलिस ने युवक की लाश को अपने कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है।

उखाड़ी जा रही मानक विहीन बनी सड़क

जौनपुर। आजमगढ़ वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग 233 पर चल रहे रिन्युअल कार्य में घटिया निर्माण को लेकर उठी आवाज का असर दिखने लगा है। चार दिन पूर्व किसान संगठन द्वारा मानक विहीन बन रहे सड़क पर झाड़ू लगाकर गिट्टियां बटोरने का समाचार प्रकाशित हुआ था। खबर के बाद हरकत में आए ठेकेदार व संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचे और खराब हो चुकी सड़क को उखाड़कर दोबारा निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी। राष्ट्रीय राजमार्ग 233 पर दानगंज से कनौरा तक करीब 16 किलोमीटर रिन्युअल कार्य प्रस्तावित है। निर्माण कार्य दानगंज की ओर से आगे बढ़ रहा है, लेकिन चंदवक बाजार सहित कई स्थानों पर सड़क बनने के दूसरे–तीसरे दिन ही गिट्टियां उखड़कर बिखर गईं। बीच सड़क पर अधूरा कार्य और मानकों की अनदेखी को लेकर स्थानीय लोगों में भारी नाराजगी थी।पूर्वांचल किसान संगठन च व बाजारवासियों ने सड़क पर झाड़ू लगाकर बिखरी गिट्टियां इकट्ठा कर विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि यदि घटिया निर्माण कार्य नहीं रुका तो आगे काम बाधित किया जाएगा।टूटी सड़क और उड़ती धूल से राहगीरों व दुकानदारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। प्रशासनिक अमला सक्रिय हुआ तो ठेकेदार क्षतिग्रस्त हिस्से को उखाड़ना शुरू कर दिया गया। सड़क का दोबारा निर्माण किया जाएगा। लोगों की नजरें लगी हुई हैं कि दोबारा होने वाला निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के होता है या नहीं।

अपना गांव अपना देश फाउंडेशन के तत्वावधान में निकाली गई भव्य शिव बारात

लालगंज, मीरजापुर। विकास खंड लालगंज क्षेत्र के ग्राम सभा तुलसी में 14 फरवरी 2026 नवनिर्मित वनराज पतीयार नाथ मंदिर प्रांगण से हमारा गांव हमारा देश फाउंडेशन के तत्वावधान में भव्य रूप से शिव बारात निकाली गई। सुबह से ही वनराज पतियार नाथ मंदिर परिसर में तैयारी शुरू हो गई थी। मंदिर को फूल मालाओं और रंग बिरंगी झालरों से सजाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे अपना गांव अपना देश फाउंडेशन के नेतृत्व में भगवान शिव की पूजा अर्चना और हल्दी रस्म के साथ आरंभ हुआ। सेमरा प्रताप सिंह निवासी अखंड प्रताप सिंह व अपना देश अपना फाउंडेशन के सभी सदस्यों ने भी मंदिर पहुंचकर भगवान शिव को हल्दी अर्पित की और देश प्रदेश व जिले गांव की सुख समृद्धि की कामना की। शिव बारात वनराज पतियार नाथ मंदिर प्रांगण से शुरू होकर सेमरा प्रताप सिंह नदंनी एवं गांव के प्रमुख मार्गो से होकर पुनः वनराज पतियार नाथ मंदिर परिसर में पुनः समाप्त हुई। शोभा यात्रा में भगवान शिव, माता पार्वती, नंदी, गणेश और अन्य देवी देवताओं की झांकियां शामिल थी। भूत प्रेत और बेताल के रूप में सजे युवकों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।इस दौरान ढोल ताशा और डीजे की गूंज के बीच श्रद्धालु हर–हर महादेव के जय घोष लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। रास्ते पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर बारात का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र सिंह यादव उर्फ पप्पू यादव, ग्राम प्रधान रामकुमार, बिहारी यादव, सुरेन्द्र सिंह, रामबाबू यादव, रिंकू सिंह, गुलाब सिंह, सनी सिंह, राजेश कुमार, अमरेश, कपिल, अतिश कुमार, शिव शंकर, गोली, सोनू, भगवान दास समेत हजारों की संख्या में युवा, बुजुर्ग, बच्चे एवं महिलाएं आदि उपस्थित रहे।

जनकल्याण की कामना के साथ गायत्री यज्ञ संपन्न

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। हलिया विकास खंड के अहुगी कलां गांव निवासी प्रभु नारायण पांडेय के आवास पर गायत्री चेतना परिवार मेजा, प्रयागराज के तत्वावधान में गायत्री यज्ञ विधि विधान से संपन्न कराया गया। डॉ रविन्द्र पांडेय, आचार्य सुरेश चंद्र शुक्ल आचार्य अशोक मिश्र, मूलचंद केशरी, दिलीप शुक्ल, जगदीश प्रजापति ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच गायत्री यज्ञ को संपन्न कराया। आयोजक परिवार और ग्रामीणों द्वारा यज्ञ में वैदिक मंत्रों और गायत्री मंत्रों के साथ आहुतियां देकर क्षेत्र के कल्याण के लिए प्रार्थना की गई। यज्ञ आयोजक समाजसेवी प्रभु नारायण पांडेय ने बताया कि गांव तथा क्षेत्र वासियों की मंगलकामना के लिए ग्रामीणों संग गायत्री यज्ञ में आहुतियां दी गई।यज्ञ समापन के बाद क्षेत्र की 101 निराश्रित महिलाओं को मुख्य अतिथि समाजसेवी नरेश सिंह ने साड़ी और प्रसाद का वितरण किया गया।इस दौरान नरेश सिंह, अधिवक्ता जगदीश प्रसाद मिश्र, डा अवधेश सिंह, बबलू सिंह बंजारी, देवेश पांडेय, रामेश्वर चौबे, आशीष मिश्र आदि मौजूद रहे।

ज्योति कलश यात्रा का समापन, रथ गैसड़ी, तुलसीपुर और बलरामपुर में जन जागरण के लिए रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर।शांतिकुंज हरिद्वार से ज्योति कलश यात्रा का रथ ज्योति कलश यात्रा आज शाम द्वितीय दिवस के अंतिम आयोजन में सक्रिय युवा कार्यकर्ता अजय चौधरी, और ग्रामप्रधान बृजलाल चौधरी जी ने कलश का स्वागत किया. शांतिकुंज प्रतिनिधि आद समर बहादुर सिंह जी ने चिलम, कुम्हार और सुराही का वृतांत सुनाते हुए की कैसे विचार परिवर्तन से जिंदगी बदलती है. मुझे मेरी मैया बहुत कुछ दिया है तेरा शुक्रिया है। भावविभोर करने वाले भजन की प्रस्तुति से श्रोता भावविह्वल हो गए. शांतिकुंज प्रतिनिधि ने कहा कि दादा गुरु ने कैसे पूज्य गुरुदेव को पिछले तीन जन्मों कबीर, समर्थ गुरु रामदास और राम.ष्ण परमहंस की याद दिलाई।महिमा बा तोहरी अपार

पचपेड़वा के थारू जनजाति बाहुल्य अंचल में स्थित एकलव्य विद्या निकेतन विशुनपुर विश्राम पहुंची जहां छात्र छात्राओं में सांस्तिक चेतना का संचार किया. इससे पूर्व हर्रेया चंद्रसी, रामनगर, बिशुनपुर टनटनवा, और जनजाति बाहुल्य गांव फ़ोनगही में गायत्री को घर घर पहुंचाने का शांतिकुंज प्रतिनिधि ने संकल्प दिलाया। चौधरी जी के गांव बैरिहवा पहुंची. जहां गायत्री परिवार पचपेड़वा के वरिष्ठ के परिजन अंगद प्रजापति, बालेश्वर चौरसिया और संजय जायसवाल, .ष्ण कुमार पांडे, सहायक अध्यापक राजनाथ जी,ठाकुर प्रसाद, जिला समन्वयक श्रद्धेय सीताराम वर्मा, तुलसीपुर के युवा परिजन जीवन गुप्ता, स्थानीय परिजन जगदीश हो जय गायत्री मैया मां गायत्री की महिमा गान से कार्यक्रम दीपयज्ञ आरंभ हुई।ज्योति कलश रथ आज प्रातः गैसड़ी के लिए रवाना हुआ जहां गायत्री परिवार गैंसड़ी के परिजनों आद राधे गोविंद गुप्ता, संदीप जायसवाल, माता प्रसाद गुप्ता, विजय लोहिया, सचिन सोनी के साथ अन्य लोगों ने रथ का स्वागत किया।

महाशिवरात्रि पर बलरामपुर के शिवालयों में उमड़ा आस्था का सैलाब, सुरक्षा व्यवस्था रही चाक–चौबंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर जनपद के विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं

की भारी भीड़ उमड़ी। नगर क्षेत्र स्थित श्री झारखंडी महादेव मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा। दूर–दराज के गांवों व कस्बों से श्रद्धालु पैदल एवं विभिन्न साधनों से पहुंचकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं रुद्राभिषेक करते नजर आए। मंदिर परिसर में "हर–हर महादेव" और "बम–बम भोले" के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। विकास कुमार, पुलिस अधीक्षक बलरामपुर के निर्देशन में तथा मनोज सिंह, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर के कुशल नेतृत्व में नगर कोतवाली पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दी। मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में पुलिस कर्मियों की तैनाती कर शांति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखी गई। भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर पुलिस सतत निगरानी करती रही।वहीं जिले के प्रसिद्ध शिवालय कल्पेश्वर नाथ मंदिर (राजापुर जंगल) में भी श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ा। यहां भी पुलिस प्रशासन की सक्रिय भूमिका देखने को मिली। पुलिस बल की तैनाती के साथ श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित ढंग से दर्शन–पूजन कराया गया तथा यातायात को नियंत्रित रखा गया।इसी क्रम में हरैया क्षेत्र के मथुरा बाजार स्थित महादेव मंदिर मथुरा बाजार आस्था का प्रमुख केंद्र बना रहा। यहां भी सुरक्षा व्यवस्था सु.ढ़ रही और पुलिस की निगरानी में शांतिपूर्ण ढंग से पूजा–अर्चना संपन्न हुई।महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे जनपद में भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। प्रशासन की सतर्कता एवं पुलिस की सक्रियता से सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं ने शांति और श्रद्धा के साथ भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन में आशुतोष पाठक सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष निर्वाचित

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती।जिला पंचायत सभागार में रविवार को श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की भव्य, गरिमामयी एवं ऐतिहासिक बैठक उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय पार्षद विपिन अग्रवाल ने की। संगठनात्मक एकजुटता, लोकतांत्रिक मूल्यों और पारदर्शिता की मिसाल पेश करते हुए एडवोकेट आशुतोष पाठक को सर्वसम्मति से श्रमजीवी पत्रकार यूनियन श्रावस्ती का निर्विरोध जिलाध्यक्ष घोषित किया गया।बैठक के दौरान प्रदेश अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने दूरभाष के माध्यम से अपनी औपचारिक संस्तुति प्रदान करते हुए नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उन्होंने संगठन की सु.ढ़ता, सक्रियता तथा पत्रकार हितों की प्रभावी पैरवी की अपेक्षा व्यक्त की।राष्ट्रीय पार्षद विपिन अग्रवाल ने अपने संबोधन में संगठन की मजबूती, उत्तरदायित्व तथा पत्रकारों की गरिमा की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। उन्होंने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष को 15 दिवस के भीतर नई कार्यकारिणी के गठन के निर्देश देते हुए संगठन को और अधिक सशक्त, संगठित एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया।नवनियुक्त जिलाध्यक्ष आशुतोष पाठक ने सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण एवं पारदर्शिता के साथ पत्रकारों के अधिकार, सम्मान और सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने संगठन को गतिशील, अनुशासित एवं प्रेरणास्पद मंच के रूप में स्थापित करने का संकल्प लिया।इस अवसर पर संजय मिश्रा, अभिषेक शर्मा, जितेंद्र दीक्षित, शान्तिमोहन पांडे, डीसी यादव, सुशील कुमार शुक्ला, सत्यम तिवारी, राजेश कुमार, राजकुमार गुप्ता, एसपी सिंह, राजेश पाण्डेय, शिवकुमार पाठक एवं राजकुमार यादव सहित अनेक पत्रकार एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आयोजन का वातावरण सौहार्दपूर्ण, ऊर्जावान और संगठनात्मक एकता का प्रतीक रहा।

नगर की खुशहाली के लिए चेयरमैन ने शिवगढ़ धाम पर किया जलाभिषेक

दैनिक बुद्ध का संदेश

पचपेड़वा। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर पचपेड़वा नगर में

स्थित प्राचीन शिवगढ़ धाम मंदिर पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की परेशानी ना हो इसके लिए नगर पंचायत अध्यक्ष रवि वर्मा ने एक सप्ताह से पूर्व साफ सफाई रंगाई पुताई चूना छिड़काव सहित श्रद्धालुओं को पेयजल की व्यवस्था में कोई कमी नहीं छोड़ी।नगर की खुशहाली के लिए चेयरमैन ने किया शिव गढ़ धाम मंदिर पर किया जलाभिषेक। जलाभिषेक से लेकर रात्रि पहर तक स्ट्रीट लाइट व अन्य सुरक्षा के इंतजाम व्यापक पैमाने पर कर रखा।नगर पंचायत अध्यक्ष रवि वर्मा ने स्वयं परिजनों के साथ प्राचीन शिवगढ़ धाम मंदिर मैं भोलेनाथ के दरबार पहुंचकर जलाभिषेक करते हुए सुरक्षा एवं अन्य संसाधनों का जायजा लेते हुए नगर पंचायत कर्मियों को परिसर में मुस्तैद रहने के लिए निर्देशित किया है मंदिर के साफ सफाई एवं अन्य संसाधनों की व्यवस्था में नगर पंचायत अध्यक्ष का एक सप्ताह पूर्व से ही तैयारी करके व्यवस्थित किया गया। इस दौरान वरिष्ठ समाजसेवी संतोष भगत जी गिरी बाबा संतोष मोदनवाल रमन चंदेल सहित भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक करते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष के सुरक्षा व्यवस्था एवं संसाधनों की उपलब्धता की सराहना की है।

श्री राम इंटर कॉलेज के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर।श्री राम इंटर कालेज का वार्षिक उत्सव सम्पन्न हुआ। प्रथम दिवस में क्रीड़ा प्रतियोगिता,विज्ञान प्रदर्शनी एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। 14 फरवरी को रंगोली प्रतियोगिता ,मेंहदी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सांस्तिक कार्यक्रम का उद्घाटन प्रवीण विभाग प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ गोंडा विभाग ने किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देना आवश्यक है। पाश्चात्य संस्.ति से अपने बच्चों को बचाने के लिए संस्कार युक्त शिक्षा देना आवश्यक है।

बच्चों ने राष्ट्र के प्रति प्रेम का भाव जागृत करना आवश्यक है। कैलाश नाथ शुक्ल विधायक तुलसीपुर ने तराई क्षेत्र में शिक्षा को सु.ढ़ बनाने के लिए विद्यालय परिवार के कार्य को सराहा। उक्त कार्यक्रम को श्याम मनोहर तिवारी प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष बलरामपुर प्रोफेसर जे पी पांडेय , प्राचार्य एम एल के पी जी कॉलेज बलरामपुर, पंकज मिश्र प्रतिनिधि दद्दन मिश्र , जिला पंचायत अध्यक्ष श्रावस्तीभानु तिवारी पूर्व प्रत्याशी समाजवादी पार्टी विधान परिषद गोंडा बलरामपुर,प्रोफेसर विशाल मिश्र दिल्ली विश्वविद्यालय एवं राजनैतिक विश्लेषक गौरव मिश्र प्रतिनिधि धीरेंद्र प्रताप सिंह अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बलरामपुर, संतोष तिवारी थाना अध्यक्ष महाराजगंज तराई, थाना अध्यक्ष लालियाविकास कांत पांडेय, जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ बलरामपुर उमा शंकर तिवारी, पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी तुलसीपुर विधान सभा सुशील प्रकाश तिवारी, बीजेपी किसान मोर्चा ने संबोधित किया। कार्यक्रम के समापन में विद्यालय के संस्थापक नीलमणि शुक्ल ने सभी अतिथियों क्षेत्र के सभी ग्राम प्रधान,विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य व सभी गण मान्य व्यक्तियों एवं अभिभावक का धन्यवाद ज्ञापित किया।

चोरी का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, नकदी व जेवर बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

श्रावस्ती।जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए

जा रहे अभियान के तहत थाना गिलौला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने चोरी के एक वांछित अभियुक्त को गिरतार कर उसके कब्जे से नकदी, जेवरात समेत अन्य सामान बरामद किया है।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन तथा अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम के नेतृत्व में चल रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी इकौना भरत पासवान के पर्यवेक्षण में थाना गिलौला पुलिस टीम ने मु0अ0सं0 14/2026 धारा 305(1), 317(2) बीएनएस से संबंधित वांछित अभियुक्त प्रदीप उर्फ कोयले पुत्र अदालती पाण्डेय निवासी मनसुखा थाना गिलौला को गिरतार कर न्यायालय भेज दिया।पुलिस को 15 फरवरी को मुखबिर से सूचना मिली, जिसके आधार पर मोहम्मदपुर गांव के बाईपास के पास घेराबंदी कर अभियुक्त को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उसके पास से रू015,000 नगद, दो जोड़ी पायल (सफेद धातु), एक एटीएम कार्ड तथा एक चेक बरामद हुआ।पूछताछ में अभियुक्त ने 12 फरवरी को थाना क्षेत्र में एक घर में घुसकर चोरी करने की बात स्वीकार की। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोतरी की गई।पुलिस ने अभियुक्त को संबंधित धाराओं में गिरतार कर माननीय न्यायालय भेज दिया है।

श्री दुर्गा मंदिर बरघाट में सनातन उद्घोष कथा महोत्सव का भव्य शुभारंभ, शिवमय हुआ पूरा परिसर

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बढ़नी चाफा के बरघाट स्थित श्री दुर्गा मंदिर बरघाट (हिंदू शक्ति स्थल) में कर्मयोगी परिवार द्वारा आयोजित श्री आदि शक्ति मां दुर्गा प्राण प्रतिष्ठा, श्री रुद्र महायज्ञ एवं सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन के पावन अवसर पर सनातन उद्घोष कथा महोत्सव का भव्य शुभारंभ रविवार को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ हुआ। महोत्सव के पहले दिन से ही पूरा मंदिर परिसर शिवभक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर नजर आया।कार्यक्रम का उद्घाटन जनपद के जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी. एन. एवं पुलिस अधीक्षक डा अभिषेक महाजन ने दीप प्रज्वलन और सामूहिक आरती के साथ किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी राजेश कुमार, पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा तथा नगर पंचायत अध्यक्ष धर्मराज वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।पूजन कार्यक्रम के अंतर्गत श्रद्धालुओं ने आदि शक्ति मां दुर्गा के जलाधिवास पूजन के उपरांत सवा पाँच लाख पार्थिव शिवलिंगों का विधि–विधान से पूजन किया। सामूहिक भजन–कीर्तन, मंत्रोच्चार और रुद्राभिषेक से मंदिर परिसर हर–हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय और शिवमय हो गया।कथा महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर मध्य प्रदेश से पधारीं साध्वी सरस्वती जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधन में कहा कि यह आयोजन केवल राम कथा नहीं, बल्कि राष्ट्र और सनातन चेतना का महोत्सव है। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को धर्म, संस्ृति और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करते हैं। साध्वी सरस्वती जी ने श्रीराम के जीवन प्रसंगों के माध्यम से भक्ति, धर्म, सत्य और सदाचार का संदेश देते हुए कहा कि श्रीराम के आदर्श आज भी मानव जीवन को सही दिशा देने वाले हैं और उनका अनुसरण करने से समाज में संस्कार और सांस्ृतिक एकता सुृढ़ होती है।उन्होंने यह भी कहा कि सनातन परंपरा, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण यह आयोजन क्षेत्र में आस्था, सामाजिक समरसता और सांस्ृतिक चेतना को मजबूत कर रहा है। उनके विचारों से उपस्थित श्रद्धालुओं में धर्म, संस्ृति और राष्ट्र के प्रति नई चेतना और उत्साह का संचार हुआ।इस दौरान लवकुश ओझा, दिलीप पाण्डेय, मंटू पाण्डेय, राम प्रमोद यादव, केशव प्रसाद, रामनेवास यादव, जुग्गीलाल, चन्द्रपाल वर्मा, संतोष वर्मा, झिनकन गौतम, इंद्रजीत यादव, अमित कुमार गुप्ता, कपिल देव, ऋषभ श्रीवास्तव, ऋषि गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

सदस्यता अभियान में 18 पत्रकारों ने ली प्रेस क्लब की सदस्यता

01 मार्च को होगा युवा पत्रकार प्रेस क्लब के शोहरतगढ़ तहसील इकाई का मतदान एवं चुनाव परिणाम की घोषणा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर।युवा पत्रकार प्रेस क्लब की सदस्यता अभियान को लेकर रविवार को शोहरतगढ़ स्थिति चौधरी मैरेज हॉल में एक बैठक बुलाई गयी, जिसमें तहसील क्षेत्र के दर्जनों सक्रिय पत्रकारों ने संगठन की सदस्यता ग्रहण की।सदस्यता अभियान में क्षेत्र के पंकज गुप्ता, अशोक कुमार, राकेश बाबा, धर्मेंद्र कुमार चौधरी, श्रवण कुमार पटवा, राजकुमार, पियूष सिंह, अखिलेश सिंह, अनूप कुमार पुरी, इन्द्रेश कुमार तिवारी, अभिषेक शुक्ला, पवन कुमार, राजेश कुमार चौधरी, जय प्रताप सिंह, शिवरतन कन्नौजिया, दिनेश कुमार तथा इसरार हुसैन, अमिताभ श्रीवास्तव सहित कुल 18 पत्रकारों ने अपने–अपने आवेदन पत्र भरकर अध्यक्ष, महामंत्री एवं उपाध्यक्ष के पास जमा किए। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्रवण कुमार पटवा ने बताया कि सदस्यता अभियान अभी जारी है और यह 18 फरवरी 2026 तक चलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि संगठन के आगामी द्विवर्षीय चुनाव की तिथियां पूर्व से निर्धारित हैं। जिसके अनुसार 20 फरवरी 2026 को चुनाव फार्म का विक्रय, 22 फरवरी 2026 को फार्म की वापसी, 23 फरवरी 2026 को चुनाव की तैयारी तथा 01 मार्च 2026 को मतदान कराया जाएगा और उसी दिन चुनाव परिणाम भी घोषित कर दिया जाएगा। इस दौरान पंकज गुप्ता, अशोक कुमार, राकेश बाबा, धर्मेंद्र कुमार चौधरी, श्रवण कुमार पटवा, राजकुमार, पियूष सिंह, अखिलेश सिंह, अनूप कुमार पुरी, इन्द्रेश कुमार तिवारी, अभिषेक शुक्ला, पवन कुमार, राजेश कुमार चौधरी, जय प्रताप सिंह, शिवरतन कन्नौजिया, दिनेश कुमार, इसरार हुसैन, अमिताभ श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। सदस्यता अभियान को लेकर पत्रकारों में उत्साह देखा गया और सभी ने संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

डॉ. महेंद्र चतुर्वेदी की पहल पर हुआ कंबल वितरण, शिक्षक विधायक ध्रुव त्रिपाठी ने मानवीय सोच को सराहा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार, सिद्धार्थनगर। नर सेवा ही नारायण सेवा है, इसी संकल्प के साथ जनपद के उसका ब्लॉक स्थित भिटिया ग्राम में कड़ाके की ठंड को देखते हुए गरीब एवं असहाय नागरिकों के लिए कंबल वितरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। विश्व हिंदू महासंघ भारत के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. महेंद्र चतुर्वेदी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षक विधायक ध्रुव कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ध्रुव त्रिपाठी ने कहा कि डॉ. चतुर्वेदी द्वारा जनहित में किया गया यह कार्य मानव कल्याण हेतु एक अनोखा प्रयास है। उन्होंने डॉ. चतुर्वेदी की मानवीय सोच की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। उन्होंने पूर्व में भी डॉ. चतुर्वेदी द्वारा किए गए सेवा कार्यों को रेखांकित किया। समारोह का शुभारंभ उपस्थित मातृ शक्तियों को कंबल भेंट कर किया गया। इस दौरान शिक्षक विधायक ध्रुव त्रिपाठी, डायट बांसी के पूर्व प्रवक्ता .ष्णकांत चौबे, पूर्व अभियंता सूर्यनारायण चौबे और युवा भाजपा नेता सच्चिदानंद चौबे ने संयुक्त रूप से करीब पचासों लाभार्थियों को कंबल वितरित किए। ठंड के मौसम में राहत पाकर लाभार्थियों के चेहरे खिल उठे। प्रमुख हस्तियों की रही गरिमामयी उपस्थिति रही जिसमे मुख्य रूप से इस सेवा कार्य में क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक साक्षी बने। कार्यक्रम में मुख्य रूप सेपुजारी पाण्डेय (सभासद, तेतरी बाजार)रामेश्वर पाण्डेय (युवा भाजपा नेता)ओम प्रकाश पासवान (पूर्व प्रधान)हरिश्चन्द्र सहानी (पूर्व प्रधान प्रत्याशी)सच्चिदानंद चौबे (युवा भाजपा नेता)कमलाकांत चौबे, सोनू खान, अनवर अली, जोगेन्दर सहानी सहित सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सरकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने की अपील

कार्यक्रम के समापन पर आयोजक डॉ. महेंद्र चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से क्षेत्र की लेखपाल प्रीतिलता पाण्डेय, तहसीलदार देवेंद्र मणि त्रिपाठी और आपदा विभाग के कर्मचारियों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। हमारा लक्ष्य है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की समस्त जनकल्याणकारी योजनाएं और सुविधाएं हर गरीब तक बिना किसी बाधा के पहुंचे। इसमें हम सभी को एकजुट होकर सहयोग करना चाहिए।

अनियंत्रित कार की टक्कर से साइकिल सवार पीआरडी जवान घायल इलाज के दौरान मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी / सिद्धार्थनगर। ढेबरुआ थाना क्षेत्र के शोहरतगढ़–ढेबरुआ नेशनल हाईवे पर खैरहिनिया गांव के पास अनियंत्रित कार की चपेट में आकर साइकिल सवार पीआरडी जवान घायल हो गया। उसे सीएचसी शोहरतगढ़ से मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया जहां उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र गनेशपुर निवासी पीआरडी जवान किशुनदेव (42) पुत्र बृजमोहन रविवार की सुबह साढ़े नौ बजे साइकिल से ढेबरुआ थाने पर ड्यूटी के लिए जा रहा था। अभी वह ढेबरुआ थाना क्षेत्र के खैरहिनिया गांव के पास पहुंचा ही था कि एक कार उसे टक्कर मार सड़क से नीचे पलट गई।इससे किशुनदेव गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों के सहयोग से घायल को सीएचसी शोहरतगढ़ पहुंचाया जहां हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं पुलिस ग्रामीणों से पलटे कार को सीधा करा गड्डे से निकलवाकर थाना पर लाई। कार एसएसबी के एक जवान की बताई जा रही है, जो महराजगंज जिले के फरेन्दा थाना क्षेत्र के हरपुर गांव का रहने वाला है। वह उत्तराखंड के काठगोदाम में तैनात है। वह अपने परिवार में 19 फरवरी को आयोजित शादी में शामिल होने पत्नी व दो बेटों के साथ घर जा रहा था। खैरहिनिया गांव के पास नहर पुल से कार बेकाबू होकर साइकिल सवार को टक्कर मार सड़क से नीचे जाकर पलट गई। कार में सवार लोग सुरक्षित बच गए लेकिन कार की चपेट में आए साइकिल सवार पीआरडी जवान की मौत हो गई। वहीं घटना की जानकारी होते ही पीआरडी जवान के परिवार में कोहराम मच गया। थाना प्रभारी नारायण लाल श्रीवास्तव ने बताया कि खैरहिनियां गांव के पास कार चालक ने साइकिल सवार को टक्कर मार दी। इसमें साइकिल सवार की मौत हो गई है। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। कार को गड्ढे से निकलवाकर थाना पर लाया गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाईएसएस की बैठक में 5वां स्थापना दिवस और कार्यों की समीक्षा

दैनिक बुद्ध का संदेश

छावनी ।छावनी के पचवस ग्राम पंचायत भवन में युवा समाजसेवा संगठन का पांचवां स्थापना दिवस और समीक्षा बैठक रविवार को आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारी, वरिष्ठ सलाहकार और बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान पिछले वर्ष किए गए सामाजिक कार्यों की गहन समीक्षा की गई। इसके साथ ही, संगठन की आगामी योजनाओं और गतिविधियों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। नए सदस्यों को संगठन से जोड़ने के लिए सदस्यता अभियान को गति देने का निर्णय लिया गया।संगठन के अध्यक्ष और भूतपूर्व सैनिक रोहन सिंह ने उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने संगठन की एकता, सेवा भावना और समर्पण को और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया।इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष गन्ना समिति सिद्धांत सिंह, समाजसेवी चंद्रमणि पांडेय वरिष्ठ सलाहकार समिति के दिवाकर सिंह, रितेश सिंह और रवि सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

एम्स और मेदांता के विशेषज्ञों ने जाँचा ग्रामीणों का स्वास्थ्य, सांसद जगदंबिका पाल ने किया शिविर का उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के सिद्धार्थ पब्लिक स्कूल में रविवार को एक विशाल निःशुल्क ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों के अनुभवी डॉक्टरों ने क्षेत्र के सैकड़ों मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित परामर्श और दवाइयाँ प्रदान कीं।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद जगदंबिका पाल ने शिविर को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, यदि एक बार सड़क खराब हो तो काम चल जाएगा, लेकिन अगर स्वास्थ्य खराब हो तो पूरा जीवन संकट में पड़ जाता है।ß उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहयोग से जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना इसीलिए की गई ताकि स्थानीय लोगों को बेहतर इलाज मिल सके।सांसद ने आगे कहा कि उनका लक्ष्य दिल्ली के एम्स और मेदांता जैसी सुविधाएं सिद्धार्थनगर के मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को आश्वस्त किया कि मशीनों की जो भी कमी होगी, उसे वे तत्काल पूरा कराएंगे।विशेषज्ञों की टीम ने दी सेवाएंशिविर में हृदय रोग, हड्डी रोग, चर्म रोग, नेत्र रोग और सामान्य रोग के विशेषज्ञों ने अपनी सेवाएं दीं।एम्स के डॉ. अमिताभ सत्संगी ने मरीजों को भरोसा दिलाया कि सिद्धार्थनगर के मरीज दिल्ली एम्स में भी उनसे परामर्श ले सकते हैं।नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सक्सेना ने बढ़ते श्मायोपियाश पर चिंता व्यक्त करते हुए बच्चों की आंखों की नियमित जांच की सलाह दी।डॉ. मेनाज (चर्म रोग विशेषज्ञ) ने सैकड़ों मरीजों का परीक्षण किया।निःशुल्क दवा और चश्मा वितरणशिविर के दौरान न केवल जांच की गई, बल्कि जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क दवाइयां और चश्मे भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर भी उपस्थित रहे और उन्होंने इस मानवीय पहल की सराहना की।इस अवसर पर एम्स के डॉ. जनार्दन, पूर्व डायरेक्टर शिफा हॉस्पिटल डॉ. अहमद, पूर्व जिलाध्यक्ष लाल जी त्रिपाठी (लाल बाबा), मंडल अध्यक्ष चिल्हिया रमेश त्रिपाठी और पंकज चौबे समेत हजारों की संख्या में ग्रामीण और मरीज उपस्थित रहे।

भरवलिया राम जानकी मंदिर पर शिवरात्रि मेला का हुआ आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु। क्षेत्र के भरवलिया राम जानकी मंदिर पर नौ द्विसीय श्री बिष्णु महायज्ञ का समापन किया गया। हवन पूजन कर क्षेत्र में सुख,शांति बैभव की कामना किया गया। मंत्रोचारण से वातावरण भक्ति मय हो गया। यज्ञशाला शिव मंदिर में महिलाएं वा पुरुषों ने कतार बद्ध होकर जला अभिषेक किए। सुबह से लोगो का कतार लगा रहा।शिवरात्रि के दिन मेले का आयोजन हुआ। नौ दिन भक्ति मय रासलीला का आयोजन हुआ। मेले के दिन ड्रामा पार्टी ने लोगों का मनोरंजन कराया।क्षेत्र वासियों की भारी भीड़। मंदिर परिसर में पहुंच गई। सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाली पुलिस लगी रही।कोतवाल संतोष तिवारी ने टीम के साथ परिसर का सुरक्षा जायजा लिया। चौकी प्रभारी अखिलेश तिवारी,एसआई वीरेंद्र यादव,सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने भारतभारी मंदिर का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पावन पर्व महाशिवरात्रि के सुअवसर पर जनपद के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल भारतभारी शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सुरक्षा को .ष्टिगत रखते हुए जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने संयुक्त रूप से मंदिर परिसर का भ्रमण किया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, साफ–सफाई और श्रद्धालुओं के आवागमन के रास्तों का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने मंदिर प्रशासन और वहां तैनात अधिकारियों को निर्देशित किया कि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और कतारबद्ध तरीके से दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों की समीक्षा करते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।मौके पर मौजूद रहे अधिकारी भ्रमण के दौरान प्रभारी निरीक्षक डुमरियागंज समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने स्थानीय लोगों और मंदिर कमेटी से भी संवाद कर स्थिति की जानकारी ली।

श्रद्धालुओं की आस्था और सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है।

–जिलाधिकारी, सिद्धार्थनगर

यू जी सी कानून विवाद रू पक्ष, प्रतिपक्ष और संवाद

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा हाल ही में अधिसूचित ष्उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता का संवर्धन विनियम, 2026 भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था में एक बड़े बदलाव और उससे उपजे तीव्र संवाद का केंद्र बन गया है। यह नया कानून 2012 के पुराने नियमों की जगह लेता है। इस कानून को लेकर समाज और शैक्षणिक जगत दो स्पष्ट धड़ों में बँटा नजर आ रहा है। ध्यातव्य है कि समर्थकों का मानना है कि यह कानून हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए एक सुरक्षा कवच है। ओ बी सी के समावेश को समझिए। पहली बार श्अन्य पिछड़ा वर्गश को भी स्पष्ट रूप से इन सुरक्षा नियमों के दायरे में लाया गया है। इसमें जवाबदेही और दंड का प्रावधान है। 2012 के नियमों में दंड का अभाव था। नए कानून में नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों के अनुदान रोकने और मान्यता रद्द करने जैसे कड़े प्रावधान हैं। इसमें त्वरित न्याय की व्यवस्था है। शिकायत मिलने के 24 घंटे के भीतर कार्रवाई शुरू करना और 15 दिनों में जांच रिपोर्ट देना अनिवार्य किया गया है। संस्थागत ढांचे को देखिए। कॉलेज में समान अवसर केंद्र और इक्विटी समितियां बनाना अनिवार्य है, जिनमें एस सी, एस टी, ओ बी सी और महिलाओं का प्रतिनिधित्व होगा। इसमें सामान्य वर्ग की चिंता को समझिए। विरोध करने वाले समूहों और कुछ छात्र संगठनों ने इसके क्रियान्वयन निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। सामान्य वर्ग की असुरक्षा को देखिए। आलोचकों का तर्क है कि यह कानून केवल विशिष्ट श्रेणियों पर केंद्रित है, जिससे सामान्य वर्ग के छात्र खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इसके दुरुपयोग का डर है। नए नियमों में श्झूठी शिकायतोंश के खिलाफ सजा के प्रावधान को हटा दिया गया है, जो पहले मसौदे में मौजूद था। इससे इसके राजनीतिक या व्यक्तिगत प्रतिशोध के लिए दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है। इसमेंअस्पष्ट परिभाषाएं हैं। श्अप्रत्यक्ष भेदभावश जैसे शब्दों की परिभाषा को लेकर भ्रम है, जिसका अर्थ संस्थान अपनी सुविधानुसार निकाल सकते हैं। न्यायिक हस्तक्षेप को देखिए। इन्हीं विवादों के कारण सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में इन नियमों पर स्थगन लगा दिया है, यह कहते हुए कि इसके कुछ प्रावधानों से समाज में दूरगामी और विभाजनकारी प्रभाव पड़ सकते हैं गौरतलब है कि पक्ष और विपक्ष के इस द्वंद्व को खत्म करने के लिए एक स्वस्थ संवाद की आवश्यकता है। यूजीसी को उन शब्दों और प्रावधानों पर स्पष्ट गाइडलाइन जारी करनी चाहिए जो वर्तमान में अस्पष्ट हैं। इसके संतुलित ढांचे की आवश्यकता है। न्याय का सिद्धांत कहता है कि निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए। अतः, झूठी शिकायतों को रोकने के लिए श्सुरक्षा तंत्रश को फिर से शामिल किया जाना चाहिए। आज इसके समावेशी संवाद की जरूरत है। सभी हितधारकों जैसे छात्र संगठनों, शिक्षकों और कानूनी विशेषज्ञों के साथ मिलकर बीच का रास्ता निकालना जरूरी है ताकि परिसर में श्समरसताश बनी रहे। आज महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में विद्यार्थियों को धैर्यपूर्वक सोचने और समझने की जरूरत है। समाज समरसता से चलता है। विखंडन से सामाजिक एकता प्रभावित होती है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

यू इंडिया का नया अंदाज़

आज कोलंबो में जो हुआ, वह महज़ एक जीत नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट के बदलते स्वरूप का प्रमाण है। टॉस हारने के बाद जिस तरह से भारतीय बल्लेबाजों ने निडर होकर पाकिस्तानी आक्रमण का सामना किया, उसने साफ कर दिया कि टीम इंडिया अब रक्षात्मक खेल में विश्वास नहीं रखती। ईशान किशन की पारी ने दिखाया कि युवा खून बड़े मंच पर दबाव को सोखना सीख गया है। वहीं, स्पिनर्स. कुलदीप और वरुण.की जोड़ी ने यह साबित कर दिया कि टी20 क्रिकेट भले ही बल्लेबाजों का खेल माना जाए, लेकिन मैच आज भी गेंदबाज ही जिताते हैं। पाकिस्तान के लिए यह हार आत्ममंथन का विषय है, क्योंकि उनका पावर–प्ले में संघर्ष और स्पिन के खिलाफ कमजोरी एक बार फिर उजागर हुई है।

लेखक राजेष शर्मा,सम्पादक

सम्पादकीय

बांग्ला जनादेश के मायने

बांग्लादेश ने तारिक रहमान की पार्टी बीएनपी को प्रचंड जनादेश दिया है। बेशक यह अभूतपूर्व, अप्रत्याशित और ऐतिहासिक जनादेश है। संसद की कुल 300 सीटों में से 212 सीटों पर बीएनपी के उम्मीदवार जीते हैं। जिस शख्स ने निर्वासन के 17 लंबे साल लंदन में काटे हों, अचानक वक्त और परिस्थितियां बदल गईं और आज उसका प्रधानमंत्री बनना महज औपचारिकता भर है। बांग्ला लोगों ने एक लोकतांत्रिक, समावेशी, प्रगतिशील, महिला सशक्तिकरण वाले और विकासशील देश के लिए जनादेश दिया है, लिहाजा तारिक रहमान की यही सबसे गंभीर चुनौती है। जिन इस्लामवादी ताकतों ने ऐलान किया था कि अब बांग्लादेश एक मुस्लिम देश होगा और अल्लाह के कानून, यानी शरिया, से देश चलेगा। 'कठपुतली' यूनुस इन्हीं कट्टरपंथियों की हुकूमत का हिमायती था। जनता ने उन जेहादी किस्म की कट्टरपंथी और भारत–हिंदू–विरोधी ताकतों को लगभग खारिज कर दिया है। जमात–ए–इस्लामी के 11 दलों के गठबंधन को 74 सीटें ही नसीब हुई हैं। पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई, जनरल मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज का 'इस्लामिक एजेंडा' और 'मुस्लिम ब्रदरहुड' धरे–धराए रह गए हैं क्योंकि बीएनपी भी पाकिस्तान को फासले पर रखने की पक्षधर रही है। यह जनादेश छात्रों, युवाओं की बगावत की आड़ में कट्टरपंथी ताकतों के आंदोलन के 18 माह बाद सामने आया है। तब 'जुलाई चार्टर' तय किया गया था और शेख हसीना को देश छोड़ कर भागने को विवश किया गया था, इसके पक्ष में भी 70 फीसदी से अधिक लोगों ने मतदान किया है। तख्तापलट प्रधानमंत्री शेख हसीना के बाद एक लोकतांत्रिक सरकार 'नया बांग्लादेश' बनाएगी और भारत उस देश के साथ खड़ा रहना चाहता है, प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को बधाई देते हुए यह अपेक्षा की है और भरोसा दिया है। यह गौरतलब है कि करीब 20 साल बाद बीएनपी बांग्लादेश की सत्ता में लौटी है। यकीनन यह चुनाव आसान नहीं था। मतदान के दौरान 14 इलाकों में जमकर हिंसा हुई, लाठियां चलीं, बूथ पर बम धमाके किए गए, बूथ छापे गए, आधी रात में फर्जी मतदान के वीडियो ने सब कुछ बेनकाब कर दिया। इसके अलावा, अल्पसंख्यक हिंदुओं पर 4000 से अधिक हमले किए गए, उनके मंदिर, देवी–देवताओं की प्रतिमाएं खंडित की गईं, फिर भी एक करोड़ से अधिक हिंदुओं ने, लोकतंत्र और बंगाली देश की खातिर, मतदान किए। उन्होंने 'अवामी लीग' पर पाबंदी के बावजूद बीएनपी को वोट दिए और 'मुस्लिम देश' बनाने की साजिशों की बाजी ही पलट दी। भारी संख्या में महिलाओं ने भी बीएनपी को जनादेश दिया, जो पार्टी सत्ता में रही है और कमोबेश उनकी सोच संकीर्ण और जेहादी नहीं है। बहरहाल खूंरेजी, कत्लेआम, लूटमार, ढहती अर्थव्यवस्था का वह दौर खत्म हो रहा है। अब तारिक रहमान की बीएनपी को बंपर बहुमत हासिल हुआ है, लिहाजा वह ताकतवर नेता के तौर पर उभरे हैं। वह दो बार प्रधानमंत्री रहीं खालिदा जिया के बेटे हैं। उनके हालिया इंतकाल से भी बीएनपी के पक्ष में सहानुभूति वोट आए होंगे! तारिक के पिता जियाउर्रहमान देश के राष्ट्रपति थे। चुनौती और प्राथमिकता अब यह होनी चाहिए कि भारत के साथ रिश्ते किस तरह मधुर, सकारात्मक और सहयोगपूर्ण हो सकते हैं, क्योंकि दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा और अहम कारोबारी साझेदार है। हमारा चिंतित सरोकार है कि हिंदुओं और उनके मंदिरों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। कट्टरपंथी ताकतों पर नियंत्रण रखा जाए, सडक–रेल–जलमार्ग की परियोजनाएं, जिनमें भारत का मोटा निवेश है, फिलहाल दांव पर हैं। भारत सरकार की 'एक्ट ईस्ट' नीति में बांग्लादेश एक अहम देश है। भारत उम्मीद कर रहा है कि कनेक्टिविटी योजनाओं में आपसी सहयोग बढ़ेगा। सवाल यह भी है कि ढाका में पाकिस्तान का दखल अब भी कितना रहता है? चीन बांग्लादेश में कितना दिलचस्प है? सबसे अहम यह होगा कि अब तारिक रहमान कितना भारत–समर्थक होते हैं, क्योंकि उनके नेतृत्व में ही बांग्लादेश में 'इंडिया आउट अभियान' चलाया गया था।

व्यस्त जीवन में ईश्वर की खोज

असल में, वही दिखाई पड़ता है बिना प्रयास के जो बाहर होता है, जो भीतर है उसके लिए कुछ प्रयास करना होगा, भीतर जाना पड़ेगा। अगर कोई किसी मंदिर के देवता को खोजना चाहे, तो मंदिर के भीतर जाना पड़ेगा। अगर कोई मंदिर की दीवारों को ही देखना चाहे, तो बाहर घूम कर ही लौट आ सकता है। मंदिर की दीवार से हम परिचित होते हैं, कुछ भीतर की दहलानों से परिचित होते हैं, लेकिन गर्भगृह से...

जीवन जितना दिखाई पड़ता है, उतना ही नहीं है, बहुत कुछ है जो दिखाई नहीं पड़ता। सच तो यह है कि जो दिखाई पड़ता है, वह उसके समक्ष कुछ भी नहीं है, जो दिखाई नहीं पड़ता है। एक वृक्ष को हम देखें। आकाश में फैली हुई शाखाएं दिखाई पड़ती हैं, हवाओं में नाचते हुए पत्ते दिखाई पड़ते हैं, सूरज की किरणों में मुस्कराते हुए फूल दिखाई पड़ते हैं। लेकिन वे जड़ें नहीं दिखाई पड़ती हैं जिनके बिना यह वृक्ष बिलकुल नहीं हो सकेगा। वे जड़ें पृथ्वी के नीचे छिपी हुई हैं। और अगर कोई उन जड़ों को भूल जाए, तो वृक्ष के प्राण उसी क्षण क्षीण होने शुरू हो जाएंगे। जो दिखाई पड़ता है वृक्ष, वह उस वृक्ष के ऊपर निर्भर है जो जमीन के नीचे छिपा है और दिखाई नहीं पड़ता है। मनुष्य का जीवन भी जो दिखाई पड़ता है वह आकाश में फैले हुए पत्तों की तरह है, लेकिन जो नहीं दिखाई पड़ता परमात्मा, वह जड़ की तरह भीतर छिपा हुआ है। लेकिन उस परमात्मा से अगर हमारे संबंध छूटने शुरू हो जाएं, तो हमारे जीवन के पत्ते, फूल, शाखाएं सब कुंभलानी शुरू हो जाती हैं। जड़ दिखाई नहीं पड़ती है। परमात्मा भी दिखाई नहीं पड़ता है। जहां से जीवन फूटता है और विकसित होता है वही दिखाई नहीं पड़ता है। शायद उसका छिपा होना भी जरूरी है। जितना महत्त्वपूर्ण काम है, वह छिप कर ही संभव हो पाता है। वह अंधेरे में, मौन में, शांति में, एकांत में संभव हो पाता है। जड़ों को हम सूरज की रोशनी में निकाल लें, फिर वे काम करना बंद कर देंगी। वे छिप कर काम करती हैं। ऐसे ही परमात्मा भी जीवन के सारे प्रकट के भीतर अप्रकट होकर काम करता है। लेकिन जो है वह हमें दिखाई पड़ता है आंखों से और जो नहीं दिखाई पड़ता है, हम सोचते हैं वह नहीं है। हम बहुत ज्यादा पार्थिव ढंग से सोचते हैं। अगर एक फूल के पास एक कवि को ले जाएं, एक चित्रकार को ले जाएं, तो उसे फूल में बहुत कुछ दिखाई पड़ता है, जो हमें दिखाई नहीं पड़ता। और अगर वह फूल के सौंदर्य की बातें करे, तो हम कहेंगे, कहां है सौंदर्य? रंग है, आकार है, फूल में कुछ खनिज हैं, कुछ केमिकल्ज हैं, कुछ पदार्थ हैइसौंदर्य कहां है? शायद फूल को प्रेम करने वाला सौंदर्य को निकाल कर अलग दिखा भी नहीं सकता। शायद वह कुछ भी नहीं कह सकता, हार जाएगा। ऐसे ही, कुछ जीवन में जो महत्त्वपूर्ण है, वह भी उनको ही दिखाई पड़ता है जो देखने के लिए एक रिसेप्टिविटी, एक ग्राहकता अपने भीतर पैदा कर लेते है अन्यथा दिखाई नहीं पड़ता। लेकिन हमें तो अपने ही भीतर जो है वही दिखाई नहीं पड़ता। हम बाहर भटकते हुए लोग हैं, हमारी आंखें बाहर–बाहर घूमती हैं और जीवन समाप्त हो जाता है। और जो भीतर था उससे हमारी कोई पहचान भी नहीं हो पाती है। यह जो भीतर है हमारे, इसका ही नाम परमात्मा है। लेकिन कैसे उसे खोजें? थोड़ी सी बातें इस संबंध में समझ लेनी जरूरी हैं। आदमी के व्यक्तित्व के तीन तल हैं। एक शरीर, दूसरा मन, तीसरी आत्मा। शरीर से हम सबकी पहचान है। शरीर सबसे ऊपर का तल है, इसलिए सीधा दिखाई पड़ जाता है। उसे देखने के लिए कोई प्रयास नहीं करना पड़ता। जैसे किसी भवन के बाहर की दीवार रास्ते से चलते हुए दिखाई पड़ जाती है, भवन के भीतरी कक्ष दिखाई नहीं पड़ते हैं। दीवार तो चलते ही दिखाई पड़ जाती है, क्योंकि वह बाहर है। जो बाहर है वह बिना प्रयास के दिखाई पड़ जाता है। असल में, वही दिखाई पड़ता है बिना प्रयास के जो बाहर होता है, जो भीतर है उसके लिए कुछ प्रयास करना होगा, भीतर जाना पड़ेगा। अगर कोई किसी मंदिर के देवता को खोजना चाहे, तो मंदिर के भीतर जाना पड़ेगा। अगर कोई मंदिर की दीवारों को ही देखना चाहे, तो बाहर घूम कर ही लौट आ सकता है। मंदिर की दीवार से हम परिचित होते हैं, कुछ भीतर की दहलानों से परिचित होते हैं, लेकिन गर्भगृह से, जहां देवता का निवास है, उससे हम बिलकुल ही अपरिचित रह जाते हैं। शरीर हमारे जीवन के मंदिर के बाहर का परकोटा है। उसके भीतर मन है।

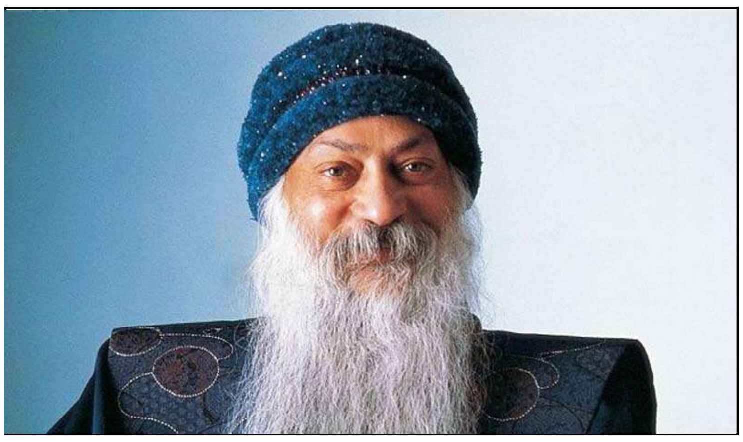

राहुल गांधी पर भाजपा का नया वार

लिंक्ड इन के संस्थापक रीड हश्वफमैन का नाम भी इन फाइल्स में है और हरदीप सिंह पुरी की हश्वफमैन से मुलाकात और उनके भारत दौरे की तैयारी की बात भी सामने आई है। हश्वफमैन से मुलाकात पर एपस्टीन ने हरदीप सिंह पुरी से बातचीत की थी, ऐसा खुलासा भी हुआ है। ऐसे में सवाल है कि मोदी सरकार अपने दूतावास और विदेश मंत्रालय को छोड़कर सेवानिवृत्त...

कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से भाजपा का डर अब खुलकर सामने आने लगा है। बुधवार को राहुल गांधी ने संसद में जिस तरह अमेरिका से हुए व्यापार समझौते और एपस्टीन फाइल्स पर मोदी सरकार को घेरा, उसके बाद उनके भाषण के कई हिस्से सदन की कार्रवाई से निकाल दिए गए। इसके बाद भी राहुल गांधी का सामना भाजपा नहीं कर पा रही है तो अब उन्हें संसद से बाहर करने की कोशिश करने लगी है। हालांकि केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू ने बुधवार को संसद में और संसद के बाहर कहा था कि भाजपा राहुल गांधी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव लाएगी। लेकिन गुरुवार को भाजपा ने सिर्फ लोकसभा सदस्यता समाप्त करने की मांग की। समझा जाता है कि विशेषाधिकार हनन का प्रस्ताव रखे जाने पर भाजपा को अपने सहयोगी दलों से समर्थन की उम्मीद नहीं थी। दूसरा डर यह था कि इस पर संसद में बहस के दौरान फिर केंद्र बिंदु राहुल गांधी ही बनते। और मोदी सरकार नहीं चाहती कि राहुल गांधी पर बहस केंद्रित हो। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने एक ठोस प्रस्ताव पेश किया है जिसमें मैंने उल्लेख किया है कि वे कथित तौर पर सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएआईडी से जुड़े हुए हैं और थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम और अमेरिका जैसे स्थानों की यात्रा करते हैं, और भारत विरोधी ताकतों से जुड़े हुए हैं। मैंने मांग की है कि उनकी सदस्यता रद्द की जाए और उन्हें जीवन भर के लिए चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाए। अपने डर को छिपाने के लिए नरेन्द्र मोदी ने निशिकांत दुबे को आगे किया है, हालांकि इस नोटिस के बाद भाजपा को यह साबित भी करना होगा कि जिन फाउंडेशन्स या देशों का नाम लिया गया है, वे किस तरह देश विरोधी हैं और राहुल से उनके क्या संबंध हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि राहुल गांधी को चुनाव लड़ने से रोकने और संसद सदस्यता खत्म करने का यह नोटिस उस समय दिया गया जब मोदी सरकार को ही यह साबित करना है कि एपस्टीन फाइल्स मामले में वह बेदाग हैं। क्योंकि नरेन्द्र मोदी, उनके केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, श्री मोदी के करीबी कारोबारी अनिल अंबानी जैसे लोगों के नाम इस कुख्यात मामले में आए हैं। ऐसे में केवल मुंहजबानी सफाई पेश करने से कुछ नहीं होगा। बल्कि ठोस सबूतों के साथ साबित करना होगा कि मानव तस्करी, यौन शोषण और मानवता को तार–तार करने वाले न जाने कितने घिनौने अपराधों से जुड़े इस मामले में किसी तरह भी मोदी सरकार का कोई संबंध नहीं है। हम यह बात पहले भी लिख चुके हैं कि इस मामले में दुनिया भर में इस्तीफे हो रहे हैं। किसी पर अपराध साबित हुआ या न हुआ हो, केवल एपस्टीन फाइल्स में नाम आने पर ही लोगों को इस्तीफे के लिए मजबूर किया जा रहा है। यहां तक कि अमेरिका में भी इस पर ट्रंप के विरोधी नेता सवाल कर रहे हैं और उन्हें सवाल करने दिया जा रहा है। मगर भारत में भाजपा को बचाने के लिए एपस्टीन फाइल्स का नाम लेना ही गुनाह की तरह दिखाया जा रहा है। बुधवार को जब संसद के भीतर राहुल गांधी को इस मामले में बोलने से रोका गया तो उन्होंने बाहर आकर अपने आरोपों को दोहराया। जिसके बाद केन्द्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने प्रेस कांफ्रेंस कर अपना पक्ष रखा। हालांकि वे चाहते तो जब से उनका नाम इस मुद्दे पर आया, तभी खुलकर सारी बातें बता सकते थे। लेकिन दबाने–छिपाने की इस प्रवृत्ति से ही शक गहराता है। बहरहाल, हरदीप सिंह पुरी ने माना कि उनकी मुलाकात कुख्यात अपराधी जेफ्री एपस्टीन से तीन–चार बार हुई थी। यानी राहुल गांधी ने संसद के भीतर जो कुछ कहा, उसे खुद हरदीप पुरी ने सत्यापित कर दिया है। इसके बाद उन पर क्या आरोप लगते हैं और कितने साबित होते हैं, ये तो बाद की बात है, सबसे पहले उन्हें नैतिकता के आधार पर ही इस्तीफा दे देना चाहिए। लेकिन मोदी सरकार की डिक्शनरी में शायद नैतिकता शब्द है ही नहीं, इसलिए उसके आधार पर इस्तीफे भी नहीं होते। पत्रकारों को अपनी बात बताते हुए हरदीप पुरी ने कुछ बड़ी गलतियां कर दीं। एक तो उन्होंने कहा कि एपस्टीन पर कुछ कम उम्र की लड़कियों के शोषण का आरोप था, जबकि सच यह है कि इस मामले में उसे सजा भी हो चुकी थी। दूसरी बात कम उम्र की लड़कियों को ही बच्चियां कहा जाता है और यह बच्चियों की तस्करी, या उनसे दुष्कर्म बेहद गंभीर अपराध है। भारत में भी इसी पर पॉक्सो एक्ट बना है, लेकिन हरदीप पुरी ने इतने हल्के तरीके से यह बात कही, मानो इसमें कोई बड़ी बात नहीं है। हरदीप सिंह पुरी ने ये दावा भी किया है कि मोदी कभी एपस्टीन से नहीं मिले, इस पर पवन खेड़ा ने पूछा है कि हरदीप पुरी आपको इतना यकीन कैसे है कि प्रधानमंत्री कभी श्री एपस्टीन से नहीं मिले? क्या आप उनके मध्यस्थ थे? क्या आप भाजपा नेताओं के लिए एपस्टीन के गेटकीपर थे? हरदीप सिंह पुरी ने बताया कि अमेरिका में भारतीय राजदूत के पद से रिटायर होने के कुछ महीने बाद मुझे इंटरनेशनल पीस इंस्टीट्यूट (आईपीआई) में आमंत्रित किया गया था। आईपीआई में मेरे बॉस टेरियल रोड लार्सन उस कुख्यात व्यक्ति, एपस्टीन को जानते थे। मैं तीन या अधिकतम चार बार उनसे मिला। आपको बता दूं कि जिस आईपीआई यानी अंतरराष्ट्रीय शांति संस्थान की बात हरदीप पुरी कर रहे हैं, वो न्यूयॉर्क का थिंक टैंक है, जहां हरदीप पुरी ने रिटायर होने के बाद और भाजपा में शामिल होने से पहले काम किया था। इस संस्था को भी एपस्टीन से फंड मिला था। हरदीप यह बात साफ नहीं कर रहे हैं कि अगर वो एपस्टीन से तीन–चार बार मिले तो क्या हर बार आईपीआई प्रतिनिधिमंडल के साथ मिले थे।

एआई के भविष्य की कमान संभालेगा इंडिया, नई दिल्ली में जुटेंगे दुनिया के टेक दिग्गज

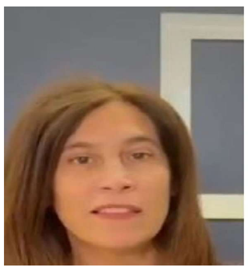

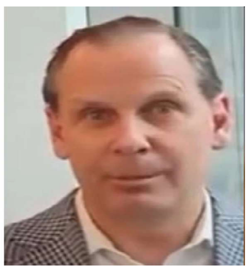

भारत आगामी नई दिल्ली में आयोजित होने वाले एआई इम्पैक्ट समिट में विश्व के नेताओं, उद्योग जगत के अधिकारियों और अकादमिक विशेषज्ञों का स्वागत कर रहा है, जिसके चलते वह वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) परिदृश्य में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य एआई को जिम्मेदारीपूर्वक, समावेशी और व्यापक रूप से अपनाने का मार्ग प्रशस्त करना है।

एआई पारिस्थितिकी तंत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव को रेखांकित करते हुए, वैश्विक आईटी सेवा प्रदाता किंड्रिल के अध्यक्ष और सीईओ मार्टिन श्रोएटर ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को आकार देने में देश की निर्णायक भूमिका पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि भारत के मजबूत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना ने व्यापक नवाचार के लिए एक ठोस आधार तैयार किया है। उन्होंने आगे कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को आकार देने में निर्णायक भूमिका निभा रहा है, जो डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना की मजबूत नींव पर आधारित है और शुरुआत से ही व्यापक प्रभाव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। भारत के पास दुनिया भर की सरकारों और कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण सीख है कि कैसे प्रौद्योगिकी, जब सोच–समझकर डिजाइन की जाती है, तो अवसरों का विस्तार कर सकती है, व्यापक समावेश को बढ़ावा दे सकती है और दीर्घकालिक सतत विकास को सक्षम बना सकती है। उन्होंने कहा कि यह पहल भारत सरकार की इस प्रतिबद्धता को दर्शाती है कि एआई का अगला अध्याय जिम्मेदारी, विश्वास और समावेश पर आधारित हो, जिससे वैश्विक दक्षिण और विश्व भर में साझा प्रगति को बढ़ावा मिले। श्रोएटर ने कहा मैं एआई इम्पैक्ट समिट में होने वाली उन चर्चाओं के लिए उत्सुक हूं, जिनमें एआई को जिम्मेदारी से विस्तारित करने, लचीलापन बनाने, नवाचार को वास्तविक परिणामों में बदलने और समुदायों को मजबूत करने तथा रोजमर्रा के जीवन को बेहतर बनाने के तरीकों पर बात होगी। इसी तरह की भावनाएं व्यक्त करते हुए, बिजनेस सॉफ्टवेयर एलायंस (बीएसए) की सीईओ विक्टोरिया एस्पिनेल ने दुनिया भर में व्यवसायों, सरकारों और संगठनों के लिए एआई समाधान विकसित कर रही बीएसए सदस्य कंपनियों के नेताओं के साथ शिखर सम्मेलन में भाग लेने पर उत्साह व्यक्त किया।

Gold Price में गिरावट अब मौका! Titan MD बोले– निवेशक बदल रहे Gold Buying की Strategy

टाइटन कंपनी के प्रबंध निदेशक (एमडी) अजय चावला ने कहा है कि सोने की कीमतों में उतार–चढ़ाव ने भारतीय खरीदारों को प्रभावित नहीं किया है। उन्होंने कहा कि ग्राहक अब कीमतों में गिरावट को अवसर मानकर बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, बिलकुल शेयर निवेशकों की तरह। चावला ने कहा कि पहले कई ग्राहक महंगी कीमतों के कारण सोना खरीदने में देरी करते थे, लेकिन अब उन्होंने अपनी रणनीति बदल ली है और कीमत गिरने पर सोना खरीदना शुरू कर दिया है, बजाय इसके कि अनिश्चित समय तक इंतजार करें।

सोने की कीमतों में उतार–चढ़ाव जारी है

चावला ने पीटीआई– को बताया, लोगों ने लंबे समय तक इंतजार करने में नुकसान उठाया है, इसलिए अब वे हर कीमत गिरावट का फायदा उठाकर सोने की खरीद कर रहे हैं, जैसे शेयर बाजार में करते हैं। उन्होंने माना कि सोने की कीमतों में उतार–चढ़ाव जारी है, लेकिन मांग मजबूत बनी हुई है। चावला ने कहा, ग्राहक इसमें हिस्सा लेने की कोशिश करेंगे। जो लोग पिछड़ गए, वे अब खरीदने आएंगे। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की सोने के प्रति मजबूत रुचि और विश्वास का पता चलता है। टाइटन की आभूषण कारोबार इकाई इस रुझान से लाभान्वित हुई है।

टाइटन की आभूषण इकाई में प्रमुख ब्रांड तानिष्क शामिल है। सोने की कीमतों में फरवरी, 2026 की शुरुआत में काफी उतार–चढ़ाव देखा गया। 10 ग्राम के लिए कीमतें करीब 1.61 लाख रुपये तक बढ़ीं और फिर वैश्विक संकेतों और मुनाफा निकालने के कारण हाल ही में गिरावट आई। चावला के अनुसार, कई लोग जिन्होंने साल के पहले छह महीनों में सोने की खरीद में देरी की थी, उन्होंने त्योहारी और शादी के सीजन से पहले सोना खरीदना शुरू कर दिया क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि कीमतें अब और नहीं गिरेंगी।

रुको, अपना वोटर ID दिखाओ...मुनीर को जर्मनी में गार्ड ने कुछ अंदाज में रोका, पाक आर्मी चीफ का ये वीडियो देखा आपने?

पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन (एमएससी) के लिए जर्मनी की अपनी यात्रा के दौरान एक अजीबोगरीब स्थिति का सामना करना पड़ा, जब सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोककर अन्य प्रतिभागियों की तरह पहचान पत्र दिखाने को कहा। यह घटना सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है और इसने सेना प्रमुख की अंतरराष्ट्रीय मान्यता और वैश्विक स्तर पर पाकिस्तान की स्थिति पर बहस छेड़ दी है।

गेट पर रोका गया

ऑनलाइन प्रसारित खबरों के अनुसार, फील्ड मार्शल मुनीर को सम्मेलन स्थल पर सुरक्षा अधिकारियों ने रोक लिया और उनसे पहचान पत्र दिखाने को कहा। एक महिला सुरक्षा अधिकारी को उन्हें रुकने और अपना पहचान पत्र दिखाने का निर्देश देते हुए सुना गया, जिसमें कथित तौर पर कहा गया, रुको दृ तुम्हारा पहचान पत्र कहाँ है? कृपया अपना पहचान पत्र पलटें। खबरों के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने अनुरोध का पालन किया और प्रवेश की अनुमति मिलने से पहले अपनी पहचान बताई। हालांकि, इस तरह की जाँच उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मानक प्रक्रिया है।

सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया

इस घटना के वीडियो क्लिप तेजी से डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फैल गए, जिससे प्रतिक्रियाओं की लहर दौड़ गई। आलोचकों का तर्क था कि यह घटना शक्तिशाली सैन्य नेता की वैश्विक स्तर पर कम पहचान को दर्शाती है। पूर्व पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी और टिप्पणीकार आदिल राजा ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वैश्विक मंच पर "उन्हें कोई नहीं जानता" और यह भी कहा कि मुनीर "पूछे जाने पर गेटकीपरों को भी विनम्रतापूर्वक अपना परिचय देते हैं।

जर्मनी में राजनीतिक प्रतिक्रिया

मुनीर की सम्मेलन में भागीदारी का विरोध करने वाले जर्मनी के कुछ राजनीतिक समूहों के विरोध प्रदर्शनों ने विवाद को और बढ़ा दिया। इनमें जर्मनी स्थित सिंधी राष्ट्रवादी संगठन, जेय सिंध मुत्तहिदा महाज (जेएसएमएम) भी शामिल था। समूह के सदस्यों ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख को दिए गए निमंत्रण की निंदा करते हुए सम्मेलन स्थल के बाहर प्रदर्शन किया।

तारिक रहमान के शपथग्रहण का निमंत्रण ठुकराया? क्या बांग्लादेश नहीं जाएंगे पीएम मोदी

बांग्लादेश के नए कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने 13 देशों के शासनाध्यक्षों को आमंत्रित किया है। इनमें भारत भी एक है। बाकी देशों में चीन, सऊदी अरब, पाकिस्तान, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, ब्रूनेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान है। शपथ ग्रहण समारोह 17 तारीख को आयोजित होना है। ढाका में होने वाला यह शपथ ग्रहण समारोह सिर्फ औपचारिक कार्यक्रम नहीं माना जा रहा बल्कि इसे नई सरकार के अंतरराष्ट्रीय संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। खासकर भारत और चीन दोनों को निमंत्रण भेजना क्षेत्रीय संतुलन की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन असल सवाल है कि क्या पीएम मोदी इस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे? बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में बीएनपी यानी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है और पार्टी के अध्यक्ष तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनेंगे। ध्यान रहे शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद भारत ने बीएनपी के साथ संवाद के रास्ते खोले हैं। बीएनपी की जीत पर बधाई देने वाले शुरुआती नेताओं में पीएम मोदी रहे हैं। तारिक रहमान ने भी भारत के साथ बहुआयामी रिश्ते को मजबूत करने पर जोर दिया है। साथ ही बीएनपी ने अपनी चुनावी अभियान में सभी से मित्रता की नीति का वादा किया था। लेकिन अब इस समारोह में पीएम मोदी का जाना संदिग्ध लग रहा है। हालांकि प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से ऐसा कोई संकेत फिलहाल नहीं दिया गया है। संदेह की वजह भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी वह शेड्यूल है जिसके मुताबिक फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो 16 फरवरी से भारत की चार दिन यात्रा पर आ रहे हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 16 फरवरी की देर रात मैक्रो दिल्ली पहुंच रहे हैं, और 17 फरवरी को मुंबई में उनका कार्यक्रम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुंबई में मैक्रो के साथ होंगे, जहां राजभवन के दरबार हॉल में एमओयू पर हस्ताक्षर होंगे और प्रेस बयान जारी किया जाएगा। क्रो का दौरा 19 फरवरी तक रहने वाला है और वे 19 की शाम टेररिस के लिए रवाना होंगे। इसलिए यह कयास लगाया जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय दौरे की व्यस्तता के चलते पीएम मोदी शायद ही तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में जा पाएं।

ईरान पर भयंकर भड़के ट्रंप, अमेरिका ने उतारा दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत

ईरान और अमेरिका में जंग की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान के पास अरब सागर में अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पहले से ही तैनात हो चुका है और अब अमेरिका ने एक और विमान वाहक पोत ईरान के लिए रवाना कर दिया है। दो अमेरिकी अधिकारियों ने न्यूज एजेंसी रटर्स को बताया कि दुनिया का सबसे बड़ा विमान वाहक पोत यूएसएस गेराल्लड आर फोर्ड मिडिल ईस्ट के लिए रवाना हो चुका है। जिसमें हजारों सैनिक, लड़ाकू विमान, गाइडेड मिसाइल सहित कई हथियार भेजे गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने रइर्स को बताया कि अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ हफ्तों तक चलने वाले संभावित सैन्य अभियान की तेजी से तैयारी कर रही है और अगर राष्ट्रपति ट्रंप हमले का आदेश देते हैं तो यह संघर्ष दोनों देशों के बीच पहले से देखे गए संघर्षों से कहीं अधिक गंभीर हो सकता है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ समझौता करना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में ईरान में सत्ता परिवर्तन के विचार का समर्थन करना ही अच्छा है। सीप अनदर गोइंग आउट शली सो 47 देन गोप्स इन दस पावर हैज अराइव एंड एडिशनल पावर वी विल सी इट हाउ अमेरिका अपना सबसे बड़ा युद्धपोत ईरान की ओर ऐसे समय पर रवाना कर चुका है जब हाल ही में व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति ट्रंप ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन ने नतन्या से मुलाकात की थी। इस मुलाकात में ईरान और अमेरिका के बीच ओमान की राजधानी मस्कट में हुई बातचीत पर चर्चा हुई थी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मुलाकात में ईरान पर संभावित हमले पर भी बात हुई थी। कहा जा रहा है कि अमेरिका अगर ईरान पर हमला करता है तो इजराइल भी उसमें शामिल हो सकता है। बता दें कि अमेरिका ईरान से परमाणु कार्यक्रम को छोड़ने और मिसाइल कार्यक्रम को सीमित करने की मांग कर रहा है। जबकि ईरान इसके लिए तैयार नहीं है। ईरान का दावा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए है।

जबकि अमेरिका ईरान पर परमाणु बम बनाने का आरोप लगाता रहा है। इस मुद्दे को लेकर मस्कट में हुई बातचीत के बाद दोनों पक्षों ने आगे की बातचीत जारी रखने की बात कही थी। लेकिन अब अमेरिका की ओर से एक और युद्धपोत ईरान की ओर रवाना करने से हालात बदल गए हैं।

वेलेंटाइन नहीं युवा मनाएं मातृ पितृ दिवसः योगी भोलानाथ

मीरजापुर। युवा भारत एवं विंध्य योग सेवा धाम के संयुक्त तत्वावधान में नगर के कजरहवा पोखरा स्थित सेंट जोसेफ स्कूल में बच्चों ने 14 फरवरी को वेलेंटाइन डे की जगह मातृ–पितृ पूजन दिवस मनाया। इस अवसर पर संस्थापक योग गुरु योगी भोलानाथ ने बच्चों के साथ साथ शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का आधुनिक परिवेश इतना बिगड़ता जा रहा है, जिससे कि युवाओं को अपनी संस्कृति संस्कार और सभ्यताओं से परिचय कराना अति आवश्यक हो गया है। आज हमारी युवा पीढ़ी वेलेंटाइन डे मना रही है, लेकिन हम सभी को मिलकर इस दिन को मातृ पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाने का संकल्प लेना होगा, तभी हमारी आने वाली पीढ़ियां सही दशा और दिशा की ओर होंगे और तभी अपनी संस्कृति व सभ्यता जीवित रहेंगी। इस अवसर पर कार्यकम की मुख्य अतिथि महिला केंद्रीय प्रभारी श्रीमती संगीता व्यास ने कहा कि आज के दिन बच्चों ने अपने माता पिता को माल्यार्पण कर उनको तिलक लगाकर एवं उनकी आरती करते हुए, उनसे आर्शीवाद प्राप्त किया। कहा माता पिता भी अपने बच्चों के द्वारा किए गए सुंदर सत्कार के लिए हृदय से उन्हें स्वस्थ सकुशल और सप्रसन्न रहने का आशीर्वाद दिया।

राष्ट्रीय योगासन जज योगी ज्वाला सिंह ने कहा कि आज के बच्चों के भीतर शुरू से ही अपनी भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूक किया जाए तो ये बच्चे आने वाले समय में कभी भी अपनी मूलता का त्याग नहीं करेंगे और भारत की सभ्यता व विरासत को आगे बढ़ाने के लिए के स्वतः संकल्पित होंगे।

प्रबंधक रतन जॉनसन ने कहा कि विद्यालय प्रागंण में वेलेंटाइन डे की जगह मातृ पितृ पूजन दिवस पिछले बारह वर्षों से हर साल मनाया जाता है और आने वाली पीढ़ियों को एवम् अभिभावकों को भी अपनी मूल सभ्यता से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया जाता है , जिसे हमसब हर वर्ष एक पर्व की तरह बड़े ही हर्षोल्लाह के साथ मनाते हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से युवा भारत के जिला प्रभारी प्रवीण मौर्या, किरन पाण्डेय, ममता, प्रीति श्रीवास्तव, प्रिया श्रीवास्तव, प्रीति गुप्ता, मुकेश मिश्रा, सर्वजीत, डिंपल, शबाना आदि शिक्षकों संग बालक बालिका उपस्थित रहें।

भारत ने चुपके से अर्मेनिया को दे दिया ऐसा खूंखार हथियार, अजरबैजान ने खड़ा किया बड़ा हंगामा!

पाकिस्तान का करीबी दोस्त अजरान इन दिनों भारत पर आरोप लगाए फिर रहा है। आरोप ऐसा कि भारत ने उसके दुश्मन देश आर्मेनिया को इजराइल की घातक तकनीक सौंप दी। दरअसल यह पूरा मामला है किलर ड्रोन का जब हाल ही में आर्मेनिया की कंपनी दवारो ने ड्रैगन फ्लाई 3 नाम का लॉटरींग म्यनिशन पेश किया जिसके पेश होने के बाद से असली घमासान शुरू हो गया है और अजरबैजान ने यह दावा किया है कि यह ड्रोन दिखने और क्षमता में बिल्कुल इजराइली हेरोप ड्रोन जैसा है और इसकी टेक्नोलॉजी भारत के जरिए अर्मेनिया तक पहुंची है। अजर बाइजान ने जिस इजरायली है ड्रोन की तकनीक इस ड्रैगन फ्लाई थ्री ड्रोन में होने की बात कही है, वह इजराइल का एक घातक ड्रोन है जिसे इजराइल एयररोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है और यह कोई साधारण ड्रोन नहीं बल्कि ड्रोन और मिसाइल का खतरनाक कॉम्बिनेशन है। यह ड्रोन करीब 9 घंटे तक हवा में मंडराते रहने की क्षमता रखता है और इस दौरान यह टारगेट की तलाश करता है और सही वक्त आने पर सीधे उससे टकराकर खुद को उड़ा देता है।

करीब 23 किमी विस्फोटक के साथ और 1000 किमी से ज्यादा रेंज इसे बना देती है एक घातक साइलेंट शिकारी। अर्मेनिया के पास ऐसी ही सेम तकनीक वाली ड्रोन होने का दावा कर रहा है तो यह दावा उसके डर को दिखाता है। दरअसल साल 2020 के नारगोन काराबाक युद्ध में अजरबजान ने इजराइल की मदद से लिए गए इन्हीं हेरोप ड्रोंस का इस्तेमाल आर्मेनिया के खिलाफ किया था। सलिए अगर अब आर्मेनिया के पास भी हैरोप जैसी ही क्षमता आती है तो अजरान की बढ़ती हुई बेचैनी को साफ–साफ समझा जा सकता है। हालांकि अजर भाईजान के इन दावों की कहीं भी पुष्टि नहीं हुई है और इस दावे पर भारत की तरफ से कोई भी आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

आर्मेनिया भारत के रक्षा उत्पादों का एक बड़ा ग्राहक है। जिसे भारत ने पिनाका से लेकर आकाश जैसी मिसाइल और स्वाति वेपन लोकेटिंग रडदार जैसे उपकरण दे रखे हैं। जो कि भारत और आर्मेनिया के बीच के अच्छे रिश्तों को दिखाता है। इसी बीच आपको यह भी बता दें कि इजराइल और अजर भाईजान के रिश्ते मजबूत होते दिख रहे हैं। हाल ही में दोनों देशों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक एमओयू साइन किया है और दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच हुई मुलाकात में यह बात सामने आई। इजराइल एरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने साफ किया है कि वह सभी अंतरराष्ट्रीय सौदों में कानून और रक्षा मंत्रालय के निर्देशों का पालन करती है।

कोलंबो में तिरंगे का परचम: भारत ने पाकिस्तान को 61 रनों से रौंदा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सबसे प्रतीक्षित मुकाबले में भारत ने अपने चिर–प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रनों से हरा दिया। कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए इस मैच में टीम इंडिया ने हर विभाग में पाकिस्तान को बौना साबित कर दिया। इस जीत के साथ ही भारत ने वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 8–1 कर लिया है और सुपर–8 में अपनी जगह पक्की कर ली है।पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया, लेकिन ईशान किशन ने उनके इस फैसले को गलत साबित कर दिया। अभिषेक शर्मा (0) के जल्द आउट होने के बाद किशन ने पाकिस्तानी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने मात्र 40 गेंदों में 77 रनों की आक्रामक पारी खेली, जिसमें कई गगनचुंबी छक्के शामिल थे।

मध्यक्रम में कप्तान सूर्यकुमार यादव (32) और शिवम दुबे (27) ने उपयोगी योगदान दिया। अंतिम ओवरों में रिंकू सिंह की छोटी मगर तेज पारी की बदौलत भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 175 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान की ओर से सैम अयूब ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

ताश के पत्तों की तरह ढहा पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम

176 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर से दबाव बनाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान का कोई भी बल्लेबाज भारतीय स्पिन जाल को नहीं समझ सका। कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती की फिरकी के सामने पाकिस्तानी बल्लेबाज पूरी तरह बेबस नजर आए।मुख्य विकेट वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने पाकिस्तान के मध्यक्रम को झकझोर दिया, जबकि बुमराह ने शुरुआती झटके दिए।पाकिस्तान की पूरी टीम 18वें ओवर में महज 114 रनों पर सिमट गई। स्टेडियम में मौजूद हजारों भारतीय प्रशंसकों ने इंडिया–इंडिया के नारों से पूरे मैदान को गुंजायमान कर दिया।

मैच के हाई–वोल्टेज पल

1. अंपायर के फैसले पर बाबर की नाराजगी
मैच के 10वें ओवर में जब कुलदीप यादव की एक फिरकी गेंद बाबर आज़म के पैड पर लगी, तो अंपायर ने उन्हें नॉट–आउट दिया। भारत ने डिआएस लिया और श्बॉल ट्रैकिंग में गेंद स्टंप्स को छूती हुई दिखी। अंपायर्स कॉल के कारण बाबर को पवेलियन लौटना पड़ा, जिससे वे काफी नाखुश दिखे और बाउंड्री लाइन पर कोच से बहस करते नजर आए।

2. रिजवान और ऋषभ पंत की नोकझोंक
जब मोहम्मद रिजवान बल्लेबाजी कर रहे थे, तो विकेट के पीछे से ऋषभ पंत की लगातार कमेंटबाजी ने उन्हें परेशान किया। एक समय ऐसा भी आया जब रिजवान ने अंपायर से इसकी शिकायत की, जिसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव को बीच–बचाव करना पड़ा।

3. बाउंड्री पर सूर्यकुमार का असंभव कैच
15वें ओवर में इतिखार अहमद ने एक लंबा शॉट खेला जो छक्के की ओर जा रहा था, लेकिन बाउंड्री पर खड़े सूर्यकुमार यादव ने हवा में उछलकर गेंद को अंदर फेंका और फिर संतुलन बनाकर कैच लपक लिया। इस कैच ने मैच का रुख पूरी तरह भारत की ओर मोड़ दिया।

होटल कुमार का भव्य उद्घाटन, सांसद राम प्रसाद चौधरी ने फीता काटकर किया शुभारंभ

मध्यम वर्ग और प्रतियोगी छात्रों के लिए राहत.बस्ती में खुला किफायती सुविधा वाला होटल कुमार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। पटेल चौक पर रविवार को होटल कुमार का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राम प्रसाद चौधरी ने फीता काटकर होटल का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।सांसद राम प्रसाद चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि होटल कुमार मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए एक वरदान साबित होगा। उन्होंने कहा कि बस्ती जैसे शहर में लंबे समय से ऐसी किफायती और सुविधाजनक ठहरने की व्यवस्था की जरूरत महसूस की जा रही थी। होटल कुमार इस आवश्यकता को पूरा करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है। उन्होंने होटल के प्रोपराइटर एवं पूर्व प्रधान दिनेश कुमार वर्मा के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह पहल समाज के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।होटल के प्रोपराइटर एवं पूर्व प्रधान दिनेश कुमार वर्मा ने बताया कि होटल की स्थापना का मुख्य उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने के लिए बाहर से आने वाले छात्रों की रहने और खाने की समस्या का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि अक्सर दूर–दराज से आने वाले विद्यार्थियों को शहर में किफायती और सुरक्षित ठहरने की सुविधा नहीं मिल पाती, जिससे उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी समस्या को ध्यान में रखते हुए होटल कुमार का निर्माण कराया गया है।उन्होंने आगे बताया कि होटल में ऐसी व्यवस्था की गई है कि आर्थिक रूप से सक्षम लोग भी यहां ठहर सकते हैं और कम संसाधन वाले लोग भी। पैसे के अभाव में किसी को रहने और खाने की असुविधा नहीं होने दी जाएगी। होटल का उद्देश्य सेवा भाव के साथ जरूरतमंदों को सहयोग देना है, ताकि कोई भी छात्र या यात्री असुविधा का सामना न करे।दिनेश कुमार वर्मा ने यह भी कहा कि यदि बस्ती में होटल कुमार को लोगों का अच्छा सहयोग और सफलता मिलती है, तो भविष्य में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में भी इसी उद्देश्य के साथ होटल कुमार की शाखाएं खोली जाएंगी। इससे अधिक से अधिक लोगों को सस्ती और बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।कार्यक्रम में मौजूद जिला पंचायत अध्यक्ष संजय चौधरी ने कहा कि आने वाले समय में होटल कुमार मध्यम वर्गीय लोगों के लिए एक सुखद अनुभव प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल शहर के विकास में सहायक होगी, बल्कि छात्रों और यात्रियों के लिए भी बड़ी राहत साबित होगी।उद्घाटन समारोह के अवसर पर वीरेन्द्र चौधरी, दिलीप चौधरी, सुरेश चौधरी, राजेश चौधरी, जनार्दन चौधरी सहित शहर के कई गणमान्य लोग, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का माहौल उत्साहपूर्ण रहा और सभी ने इस नई पहल का स्वागत करते हुए होटल कुमार की सफलता की कामना की।

देवरिया माफी शिव मंदिर में शिवरात्रि मेले का भव्य आयोजन, उदयपाल सिंह पटेल ने कराया जलपान

दैनिक बुद्ध का संदेश

साऊघाट/बस्ती। विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत स्थित देवरिया माफी के प्राचीन शिव मंदिर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर

भव्य मेला लगा । सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर–दराज़ के गांवों से आए शिवभक्तों ने विधि–विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक और पूजन–अर्चन किया। पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा और "हर–हर महादेव" के जयकारों से वातावरण गूंजता रहा।मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में शिक्षित युवा समाजसेवी उदयपाल सिंह पटेल ने मेले में आए शिवभक्तों के लिए जलपान की व्यवस्था कराई। उन्होंने स्वयं उपस्थित रहकर श्रद्धालुओं को प्रसाद एवं जलपान वितरित कराया। उनके इस सराहनीय कार्य की क्षेत्र में व्यापक चर्चा हो रही है। स्थानीय लोगों ने इसे सेवा और समर्पण का उत्.ष्ट उदाहरण बताया। उदयपाल सिंह पटेल ने कहा कि शिवरात्रि जैसे पावन पर्व पर भक्तों की सेवा करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि आगे भी वे समाजहित के कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेते रहेंगे। इस अवसर पर ग्राम प्रधान इरफान अहमद, जयराम चौधरी, गोविंद आदि लोग उपस्थित रहे।

जयपुरिया स्कूल में स्पोर्ट्स डे का आयोजन,पूर्व विधायक रवि सोनकर ने किया उद्घाटन....

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल बस्ती में वार्षिक स्पोर्ट्स डे का भव्य आयोजन किया गया। खेलकूद प्रतियोगिताओं और सांस्.तिक प्रस्तुतियों से सजा यह आयोजन विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए उत्साह और ऊर्जा से भरपूर रहा। कार्यक्रम का उद्घाटन महादेवा के पूर्व विधायक रवि सोनकर ने दीप प्रज्वलित कर किया।उद्घाटन अवसर पर पूर्व विधायक रवि सोनकर ने विद्यालय प्रबंधतंत्र और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण परिवेश में इस स्तर का आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना बेहद सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ–साथ खेलकूद भी छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है और ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना विकसित करते हैं।उन्होंने विशेष रूप से विद्यालय द्वारा संचालित स्कॉलरशिप कार्यक्रम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सेठ एम आर जयपुरिया स्कूल बस्ती द्वारा शुरू की गई स्कॉलरशिप योजना छात्रों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के तहत यदि कोई छात्र 10 वर्षों तक विद्यालय परिसर से जुड़ा रहता है तो उसे 70 हजार रुपये तक की सहायता दी जाएगी, वहीं 12 वर्ष पूरे करने पर 1 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। यह सहायता राशि छात्रों को उच्च शिक्षा के दौरान काफी लाभ पहुंचाएगी और अभिभावकों पर आर्थिक बोझ भी कम करेगी।कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के छात्रों ने दौड़, रिले रेस, लंबी कूद, रस्साकशी, कबड्डी सहित कई खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। छोटे बच्चों की मनोरंजक दौड़ और योग प्रदर्शन ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विजेता छात्रों को अतिथियों द्वारा मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों का समग्र विकास करना है। उन्होंने बताया कि विद्यालय बस्ती मुख्यालय से मात्र 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और यहां तक पहुंचने में केवल 30 मिनट का समय लगता है। शहर की भीड़भाड़ से दूर शांत और स्वच्छ वातावरण छात्रों के अध्ययन और व्यक्तित्व विकास के लिए अत्यंत अनुकूल है।प्रधानाचार्य ने कहा कि विद्यालय में आधुनिक सुविधाएं, अनुभवी शिक्षक और बेहतर शिक्षण पद्धति उपलब्ध है, जिससे छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल रही है। साथ ही खेलकूद, सांस्.तिक कार्यक्रम और सह–पाठ्यक्रम गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्मविश्वासी और सक्षम बनाया जा रहा है।कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधतंत्र ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और छात्रों का आभार व्यक्त किया। स्पोर्ट्स डे के सफल आयोजन से छात्रों में खेल भावना और प्रतिस्पर्धा का उत्साह देखने को मिला। इस आयोजन ने यह संदेश दिया कि शिक्षा के साथ खेल भी जीवन में उतना ही महत्वपूर्ण है और दोनों के संतुलन से ही एक बेहतर भविष्य का निर्माण संभव है।

बेहरा गांव में सराहनीय पहल, जरूरतमंदों को कराया गया भोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सदर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बेहरा गांव में एफटी

टीम द्वारा जरूरतमंदों के लिए विशेष भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और टीम के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का नेतृत्व शिव शक्ति चौधरी, .ष्णा चौधरी, रामआज्ञा चौधरी, सचिन चौधरी एवं शिवा चौधरी ने संयुक्त रूप से किया। उनके मार्गदर्शन में टीम के सदस्यों ने गांव के जरूरतमंद परिवारों, बुजुर्गों और असहाय लोगों को सम्मानपूर्वक भोजन कराया। आयोजन स्थल पर अनुशासन और सुव्यवस्था का विशेष ध्यान रखा गया, ताकि सभी लोगों को सहज और सम्मानजनक वातावरण में भोजन प्राप्त हो सके। नेतृत्वकर्ताओं ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्ग की सहायता करना तथा लोगों को सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यों के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति समय–समय पर ऐसे छोटे–छोटे सेवा कार्य करे, तो कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोएगा। ग्रामीणों ने टीम के इस प्रयास की खुलकर प्रशंसा की और कहा कि इस तरह के आयोजन से समाज में आपसी भाईचारा और सहयोग की भावना मजबूत होती है। कई स्थानीय लोगों ने भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में टीम के सदस्यों ने संकल्प लिया कि वे आगे भी समय–समय पर जरूरतमंदों की सहायता के लिए इसी प्रकार के सामाजिक कार्य करते रहेंगे। इस अवसर पर राहुल चौधरी, शिवनारायण चौधरी, रामनाथ, जितेंद्र चौधरी, श्याम नारायण, धीरज, रितु वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

श्री चित्रगुप्त मंदिर के 14वें स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। श्री चित्रगुप्त मंदिर निकट– चित्रगुप्त चौक धर्मशाला रोड पर भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर की स्थापना दिवस के चौदहवीं वर्षगांठ पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन वर्मा के संयोजन में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य यजमान मंदिर कमेटी के महामंत्री प्रदीप कुमार श्रीवास्तव द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ तथा हवन पूजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात मुख्य अतिथि गोरखपुर के महापौर मंगलेश श्रीवास्तव व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष इंद्रसेन श्रीवास्तव के द्वारा श्री चित्रगुप्त भगवान की प्रतिमा पर मल्यार्पण , दीप प्रज्वलन व आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि गोरखपुर महापौर मंगलेश श्रीवास्तव एवंअखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ इन्द्रसेन श्रीवास्तव का मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुरेन्द्र मोहन वर्मा जी द्वारा स्वागत करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले डॉ अनिल श्रीवास्तव , डॉ नवीन श्रीवास्तव , संगीता श्रीवास्तव , डॉ एन एन श्रीवास्तव , श्याम जी श्रीवास्तव , डॉ संतोष श्रीवास्तव , नेहा श्रीवास्तव , शुभम शाहू आदि को सम्मानित किया गया। स्वागत गीत व भजन की प्रस्तुति नेहा श्रीवास्तव ने की। कार्यक्रम का संचालन कौशल किशोर श्रीवास्तव तथा विजय कुमार श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के अंत में भंडारे का प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंदिर कमेटी के कोषाध्यक्ष .ष्ण चंद्र श्रीवास्तव गोप , परमात्मा प्रसाद , नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा , युवा अध्यक्ष दुर्गेश कुमार , मंदिर कमेटी के सचिव सौरभ सिन्हा , श्रीकांत श्रीवास्तव , चित्रांश क्लब के संस्थापक राजेश चित्रगुप्त , चित्रांश क्लब के पूर्व अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव , पूर्व अध्यक्ष प्रकाश मोहन श्रीवास्तव , रीना श्रीवास्तव , रशिक बिहारी , अपराजिता सिन्हा , नम्रता श्रीवास्तव , प्रतीक्षा श्रीवास्तव , नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा ,कायस्थ सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अजय कुमार श्रीवास्तव , सलाहकार समिति के सदस्य अनिल कुमार श्रीवास्तव , राहुल श्रीवास्तव , संतोष श्रीवास्तव, मंडल अध्यक्ष नवीन श्रीवास्तव , मंडल महामंत्री आलोक श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव , रमेश श्रीवास्तव , रणदीप माथुर , अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिलाध्यक्ष मयंक श्रीवास्तव , सत्येंद्र श्रीवास्तव , प्रकाश मोहन , आशीष श्रीवास्तव , अखिलेश श्रीवास्तव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

दुर्घटना मे घायल युवक वाराणसी रेफर, इलाज जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।बीते 13 फरवरी की शाम बीना बस स्टैंड पर बाइक के धक्के से 30 वर्षीय घायल चंदुआर गांव निवासी जवाहिर पुत्र बुद्धराम कों बैढ़न निजी अस्पताल से वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। जहाँ इलाज जारी है। परिजनों के मुताबिक ककरी खदान मे एक निजी कंपनी मे कार्यरत पिलोडर ऑपरेटर जवाहिर काम कर घर वापस लौट रहा था की बाइक के धक्के से गंभीर रूप से घायल हों गया। जिससे सर व अन्य जगहों पर गंभीर चोट आयी है। परिजनों नें बताया की अभी लगभग दो दिन हों गए अभी तक होश नही आया है। उधर पुलिस बाइक कों कब्जे मे लेकर अग्रिम कारवाई मे जुटी हुई है। पुलिस के मुताबिक परिजनों की तरफ से अभी तक कोई तहरीर नही मिली है। तहरीर मिलते ही कारवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी ने विद्यालयों में मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण, मतदाताओं से फॉर्म–6 भरने की अपील

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जनपद में चल रहे विशेष प्रगाढ़ एस0आई0आर0 अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने रविवार को कंपोजिट विद्यालय मल्टीस्टोरी बिल्डिंग राबर्ट्सगंज के मतदान केन्द्र का स्थलीय निरीक्षण किये, इस दौरान उन्होंने कम्पोजिट विद्यालय के बूथ संख्या–49, 50 व 51 में ई0आर0ओ0 द्वारा नोटिस पर की जा रही सुनवाई व नये मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने आदि प्रक्रिया के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की और उन्होंने बी0एल0ओ0 को निर्देशित करते हुए कहा कि नो मैपिंग वाले जिन मतदाताओं को नोटिस जारी की गयी है, वह निर्धारित तिथि पर निर्धारित स्थल पर उपस्थित हों, जिससे नोटिस सुनवाई की प्रक्रिया निर्धारित समय अवधि में हो सकें। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने आदर्श इंटरमीडिएट कॉलेज में स्थापित बूथ संख्या 14, 15, 16, 17, 18, 19 एवं 20 का भी निरीक्षण किये, उन्होंने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण से संबंधित अभिलेखों, नोटिस वितरण एवं सुनवाई की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने जनपद के नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि ऐसे युवा जिनकी उम्र 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है,

और उनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म–6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के दौरान नो मैपिंग वाले मतदाताओं को नोटिस जारी की गई है तथा उनकी सुनवाई संबंधित बूथों पर निर्धारित तिथियों में ई0आर0ओ0 द्वारा की जा रही है। जिलाधिकारी ने संबंधित मतदाताओं से अपील की कि वे अपने निर्धारित बूथ पर निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर सहयोग प्रदान करें। जिन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में अशुद्ध, डुप्लीकेट अथवा त्रुटिपूर्ण हैं, वे भी बूथ स्तर पर उपस्थित होकर आवश्यक प्रपत्रों के माध्यम से अपने नाम शुद्ध कराएं, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहें। इस मौके पर जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, ए0आर0 को–आपरेटिव देवेन्द्र कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, तहसीलदार राबर्ट्सगंज अमित सिंह, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कोन क्षेत्र में महाशिवरात्रि पर उमड़ी भक्तों की भीड़, हर–हर महादेव से गूंजा शिवालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

कोन/सोनभद्र।क्षेत्र में महाशिवरात्रि का महापर्व धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही मंदिरों में घंटा–घड़ियाल हर हर महादेव की गूंज से पूरा शिवालय गूंज उठा। शिव मंदिरों में भोले शंकर को जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भीड़ सुबह से ही देखी गई। बाबा भोलेनाथ को दूध, बेलपत्र व धतूरा व फूल चढ़ाया जा रहा है। मंदिरों के बाहर दूध, बेलपत्र व धतूरा व फूल–माला की दुकानें भी लगी भक्त इस दिन व्रत रखकर शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र आदि अर्पित करते हैं और मंत्र जाप, आरती व रुद्राभिषेक करते हैं। चारों पहर की पूजा अलग–अलग शुभ मुहूर्त में की जाती है, जिससे पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है। महाशिवरात्रि पर शिव मंत्र,

महामृत्युंजय मंत्र और शिव आरती का पाठ करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सुख–शांति व समृद्धि की प्राप्ति होती है। सर्वार्थसिद्धि योग में की गई साधना को विशेष फलदायी माना गया है इसी तरह कोन क्षेत्र के रोरवा शिव मन्दिर में सुबह से ही सुबह से ही मंदिरों में घंटा–घड़ियाल की गूंज सुनाई पड़ी और हर हर महादेव की गूंज से पूरा शिवालय गूंज उठा। शिव मंदिरों में भोले शंकर को जलाभिषेक करने के लिए भक्तों की भीड़ सुबह से ही देखी गई। बाबा भोलेनाथ को दूध, बेलपत्र व धतूरा व फूल चढ़ाया गया।बताते चले कि इस मंदिर का निर्माण कई दशक पूर्व हुआ था यहाँ लोग काफी दूर दूर से पूजा करने आते हैं।जिसके क्रम में मंदिर के पूर्व प्रबंधक दिलीप कुमार त्रिपाठी, लालबिजौरा निवासी ने बताया कि रोरवा का यह नर्वदेश्वर पंचेश्वर शिव मन्दिर का निर्माण लालबिजौरा निवासी स्व. शिवदयाल त्रिपाठी पुत्र बसंत त्रिपाठी के द्वारा लगभग 300वर्ष पहले सुर्खी, चूना ईट से निर्माण कराया गया है।इस मन्दिर की ऊचाई व नकाशी, व भव्यता के समान अभी तक अगल बगल 100 किलोमीटर की दूरी में कोई भी मन्दिर नहीं है। जहाँ पर दूर दूर से लोग देखने को आते है। अपना दल के पूर्व उपाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह द्वारा 12 घंटे का अखंड कीर्तन कराया गया जिसमें जिला कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के पूर्व उपाध्यक्ष विनयकांत चतुर्वेदी ,ब्लॉक अध्यक्ष मदन गुप्ता वरिष्ठ कांग्रेस नेता नारायण दास गुप्ता, बीएसपी पूर्व लोकसभा प्रभारी विकलेश भारती, प्रतीक गुप्ता सूर्य देव यादव, पूर्व प्रधान उदय चंद सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

दो दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा अंबेडकर

स्टेडियम में चल रहे 51वीं उत्तर प्रदेश पावर सेक्टर अंतरक्षेत्रीय डिस्कॉम/परियोजना की दो दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता का समापन रविवार को बड़ी धूम धाम के साथ किया गया। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश के पावर सेक्टर के सैकड़ों खिलाड़ियों ने बड़े उत्साह के साथ प्रतिभाग किया।प्रतियोगिता में 73अंक पाकर ओबरा परियोजना की टीम ओवर आल चौंपियन बनी। वहीं अनपरा की टीम ने 46अंक पाकर द्वितीय साथ तथा लखनऊ एवं मेरठ की टीम संयुक्त रूप से 32अंक पाकर तीसरे स्थान पर रही। व्यक्तिगत चौंपियन के रूप में भी ओबरा के खिलाफ का दबदबा रहा। ओबरा के खिलाडी सुनील कुमार ने कुल 26 अंक पाकर चौंपियन बने। अनपरा के खिलाडी आनंद यादव ने18अंक पाकर द्वितीय तथा परीक्षा के खिलाडी गौतम भारती ने 16अंक पाकर तीसरे स्थान पर रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक आर के अग्रवाल ने अपने संबोधन में बताया कि खेल में हार जीत महत्वपूर्ण नहीं होता है। प्रतियोगिता में हार से ही जीत की प्रेरणा मिलती है। श्री अग्रवाल ने विजेता खिलाडियों को बधाई देते हुए हारने वाले खिलाड़ियों को और अधिक लगन के साथ कठिन मेहनत करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक श्री अग्रवाल ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इस दौरान एस एन मिश्रा महाप्रबंधक ब,एस के सिंघल महाप्रबंधक सी, दिवाकर स्वरूप महाप्रबंधक जानपद, मुख्यालय पर्यवेक्षक इमरानुल हक,सुरेश चंद्र मिश्र अधीक्षण अभियंता,नेमी चंद अधीक्षण अभियंता,सुधांशु यादव अधीक्षण अभियंता, निशांत अधीक्षण अभियंता,अजय शर्मा अधीक्षण अभियंता आदि लोग मौजूद रहे।

प्राचीन शिव मंदिर में सूबे के राज्य मंत्री ने किया जलाभिषेक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।महाशिवरात्रि पर्व पर सूबे के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव सिंह गोंड ने अपनी

अर्धांगिनी ब्लाक प्रमुख लीला सिंह गोंड के साथ अपने पैतृक गांव बाड़ी स्थित प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन पूजन कर बेल पत्र,फल–फूल के साथ जलाभिषेक कर सभी देश एवं प्रदेशवासियों के सुख,शांति व समृद्धी की कामना की।रविवार को महाशिवरात्रि के महापर्व पर क्षेत्र के शिवालयों में अचलेश्वर महादेव मंदिर डाला,सलईबनवा शिव गुफा मंदिर व वैष्णो मंदिर पर भक्तो ने पंक्तिवद्ध होकर शिव का दर्शन पूजन किया क्षेत्र के ग्राम पंचायत कोटा के अम्माटोला,सलईबनवा, बाड़ी गाँव आदि स्थानो पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले का आयोजन हुआ जंहा भारी भीड़ उमड़ पड़ी।इस दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चौकी प्रभारी घनश्याम तिवारी ने दलबल के साथ लगे मेला का मौका मुआयना किया और लोगो से शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की।सूबे के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड़ ने बताया हमारे पैतृक गांव बाड़ी का शिव मंदिर प्राचीन काल से स्थापित है जंहा क्षेत्र के तमाम आस्थावान भक्त पूजा पाठ कर मन्नतें मांगते हैं यहां प्रत्येक वर्ष शिवरात्रि पर्व पर मेला लगता है मेले में गुड़ की जलेबी का अलग ही महत्व है दूरदराज से मेले में आने वाले लोग खुब खरीदारी भी करते हैं गुड़ की जलेबी,खेल खिलौने व कपड़े आदि कि दुकानें मेले की भव्यता को और मनमोहक बना देती हैं। आयोजकों में शामिल टाटा चौधरी ने बताया कि मंत्री जी ने भगवान शिव का जलाभिषेक करने के बाद मेले का शुभारंभ किया आने वाले भक्तों के लिए ठंडई ,शरबत की व्यवस्था की गई है।

मिहींपुरवा सीएचसी अधीक्षक हटाए गए, जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति की गई गठित

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। विकास खण्ड मिहींपुरवा की समस्त स्टाफ ए0एन0एम0 एवं आशा ने जनपद मुख्यालय पर उपस्थित होकर दिनांक 14–02–2026 तहसीलदार, बहराइच ज्ञापन सौंपा। सौंपे गये ज्ञापन का संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा अमित कुमार, अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०), निरारिका विश्वकर्मा, जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा डा0 राजेश कुमार गौतम, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बहराइच की 03 सदस्यीय अधिकारियों की टीम गठित करते हुए निर्देशित किया है कि प्रकरण की गहन जांच कर स्पष्ट आख्या एक सप्ताह में उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

प्रथम ने चीफ जस्टिस एसके वर्मा इलेवन को जिताया

प्रयागराज। प्रथम मिश्र के खेल (80 रन 78 गेंद 8 चौक एवं एक छक्का और एक विकेट) के दम पर चीफ जस्टिस एसके वर्मा इलेवन ने जस्टिस एएन वर्मा इलेवन को 161 रन से हराकर आनंद शुक्ला एवं मुश्ताक अली ट्रॉफी के लिए खेली जा रही संगम प्रीमियर लीग क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। केपी कॉलेज मैदान पर रविवार को खेले गए मैच में चीफ जस्टिस एसके वर्मा इलेवन ने 40 ओवर में 7 विकेट पर 228 रन (प्रथम मिश्रा 80, आदित्य तिवारी 41, प्रमोद यादव 32, अनुराग यादव 28, अभिनव तिवारी 2/32, वर्तुल शुक्ला 2/33, अर्जित सिंह 1/23) बनाए। जवाब में जस्टिस एएन वर्मा इलेवन की टीम 16.4 ओवर में 67 रन (शैजान अहमद 27, आकाश कुमार 12, संदीप पटेल 3द14, आदित्य यादव 3/18, कुशाग्र त्रिपाठी 2द01, समझ अवस्थी व प्रथम मिश्रा एक–एक विकेट) पर सिमट गई। प्रथम मिश्रा को इलाहाबाद क्रिकेट एसोसिएशन की जूनियर चयन समिति के अध्यक्ष अनुराग श्रीवास्तव ने मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिला सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान तेज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।जनपद में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा,

सम्मान एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत व्यापक जागरूकता अभियान संचालित किया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिला सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान करना, विधिक अधिकारों की जानकारी देना तथा साइबर अपराधों से बचाव के उपायों से अवगत कराना रहा।पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' के निर्देशन में तथा 'क्षेत्राधिकारी यातायात डॉ. चारु द्विवेदी सहायक नोडल अधिकारी, मिशन शक्ति 5.0 के नेतृत्व में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद स्थापित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं।अभियान के दौरान गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के सरल उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक प्रावधानों एवं विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी तथा व्ज साझा न करने के संबंध में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की गई।पुलिस द्वारा यह भी बताया गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा या साइबर अपराध की स्थिति में तत्काल संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करें। प्रत्येक शिकायत पर त्वरित एवं विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

कप्तान साहब:- कही भरे ट्रक से माल गायब तो नहीं हो गयी? 360 बोतल की बरामदगी पर पुलिस कटघरे में

हजम नही हो रहा है ट्रक मे सिर्फ 360 बोतल की पुलिसिया कहानी

कुशीनगर (आरएनएस)। बीते दिनो जिले के पडरौना कोतवाली पुलिस ने बिहार बॉर्डर स्थित बांसी पुलिस चौकी के पास एक ट्रक से 360 बोतल पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब बरामद कर अंतरराज्यीय तस्करी का खुलासा करने का दावा किया था। लेकिन इस कार्रवाई के बाद यक्ष प्रश्न यह है कि क्या वाकई ट्रक में सिर्फ 360 बोतल थीं, या फिर भरी ट्रक से बाकी माल गायब कर दिया गया? यही वजह है कि बरामदगी की मात्रा और ट्रक के उपयोग के बीच का अंतर पुलिस की कहानी पर गंभीर सवाल खड़ा कर रहा है। पुलिसिया कहानी में बताया गया है कि पंजाब से बिहार तक सैकड़ों किलोमीटर की दूरी तय करने वाला ट्रक सामान्यतः बड़ी खेप ढोता है। ट्रक का भाड़ा, डीजल, टोल टैक्स, ड्राइवर खर्च सब मिलाकर लाखों का खर्च स्वभाविक है। ऐसे में लगभग दो लाख रुपये कीमत की 360 बोतल शराब लेकर इतना लंबा सफर करना आर्थिक दृष्टि से अव्यावहारिक लगता है। जानकारों की माने तो तस्करी का धंधा जोखिम और मुनाफे के संतुलन पर चलता है। ऐसे मे सवाल उठना लाजमी है कि क्या कोई संगठित गिरोह इतनी छोटी खेप के लिए पूरा ट्रक दांव पर लगाएगा?

पुलिसिया कहानी की क्या है जमीनी हकीकत?– पुलिसिया कहानी में बताया गया है कि गिरफ्तार आरोपी संगठित गिरोह से जुड़े हैं और पंजाब व चंडीगढ़ से शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामो पर बेचते थे। लेकिन गिरोह का सरगना कौन है? इसकी जानकारी पुलिस ने खुलासे मे नही किया है।

सप्लाई चेन में और कौन शामिल है?– महत्व पूर्ण सवाल यह भी है कि पुलिस के हत्थे चढे दोनो तस्कर ट्रक मे भरकर ले जा रहे शराब बिहार में किसको देने वाले थे? क्या वह सडक के किनारे ट्रक खडा कर शराब बेचने वाले थे? क्या पहले भी इस रूट से खेप गई है? ऐसे तमाम सवाल है जिसका जबाब पुलिस के पास भी नही है। स्थानीय लोगो में चर्चा के अनुसार यह भी सवाल उठ रहा है कि कहीं ट्रक में वास्तविक मात्रा पुलिस द्वारा किये गये खुलासे 360 बोतल से अधिक तो नहीं थी? क्योंकि ट्रक में महज 360 बोतल की पुलिसिया कहानी किसी को हजम नही हो रही है। क्या जब्ती सूची पूरी है?क्या बरामदगी की वीडियोग्राफी हुई? क्या स्वतंत्र गवाह मौजूद थे? ऐसे तमाम सवाल मुंह बाये खडे है। सवाल यह भी उठता है कि जब ट्रक की क्षमता और बरामदगी की संख्या में इतना बडा अंतर हो, तो संदेह और सवाल उठना स्वाभाविक है।

जवाबदेही जरूरी– यह मामला सिर्फ 360 बोतलों का नहीं, बल्कि पुलिसिया कार्रवाई की विश्वसनीयता का है। यदि वास्तव में बड़ी तस्करी पकड़ी गई है तो पूरे नेटवर्क का खुलासा होना चाहिए। और यदि खेप छोटी थी, तो ट्रक के उपयोग का ठोस कारण सामने आना चाहिए।

पूर्व डिप्टी सीएम ने ओंकोसेंटर कैंसर अस्पताल का शुभारंभ

प्रयागराज। आईआईएम रोड स्थित ओंकोसेंटर कैंसर अस्पताल का भव्य उद्घाटन पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों के लिए समय पर और गुणवत्तापूर्ण उपचार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे मरीज हैं जिन्हें समुचित चिकित्सा सुविधाएं नहीं मिल पातीं, जिसके कारण उन्हें इधर–उधर भटकना पड़ता है। आधुनिक तकनीक और उन्नत चिकित्सा संसाधनों से सुसज्जित इस प्रकार के अस्पताल मरीजों और उनके तीमारदारों के लिए बड़ी राहत साबित होंगे। अस्पताल के निदेशक डॉ. मो. अली ने जानकारी देते हुए बताया कि यह एक विशेषीकृत कैंसर अस्पताल है, जहां 30 बेड का अत्याधुनिक आईसीयू उपलब्ध है। अस्पताल में कीमोथेरेपी, फिजियोथेरेपी तथा कैंसर सर्जरी की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। उद्घाटन समारोह में चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े कई गणमान्य व्यक्ति एवं संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर हुआ भजन संध्या का आयोजन

चौरी चौरा गोरखपुर। महाशिवरात्रि पर्व पर क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में संध्या भजन का आयोजन हुआ। नगर पंचायत चौरीचौरा के वार्ड नंबर 13 के शिव मंदिर पर भजन मंडली द्वारा खूब मन मोहक शिव भजन गाएं गए । इसी क्रम में सरदार नगर के बिलारी पंडित टोला पर स्थित शिव मंदिर पर भजन संध्या के साथ भंडारे का आयोजन किया गया। स्थानीय भजन कलाकार पवन सिंह व धर्मेन्द्र पांडेय ने शिव पर कई भजनों को प्रस्तुत किया और श्रद्धालुओ ने तालियों से उनकी सराहना की। इस अवसर पर आयोजक नरेंद्र गुप्ता, कैलाश गुप्ता, नंदलाल नंदलाल, प्रधान प्रतिनिधि मनोज यादव, देवेंद्र सिंह लक्की, अर्जुन, आलोक, नंदन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बाइक सवार बदमाश ने झपट्टा मारकर छीना युवती से बैग

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र में एक युवती एक बच्चे का हाथ पकड़कर घर की तरफ जा रही तभी हेलमेट लगाए बाइक सवार उसके बगल से निकलता है और झपट्टा मारकर उसके कंधे पर टंगा बैग छीनकर निकल भागता है। अचानक से झपट्टा मारकर बैग छीने से जाने से युवती घबरा जाती है। वह शोर मचाती है तो आसपास के लोग बाइक सवार की तरफ देखने लगते हैं। बैग में साढ़े पांच हजार रुपये और कागजात थे। मामले की तहरीर हंडिया पुलिस को दी गई है। हंडिया के रहने वाले अमरजीत की बेटी बबिता किसी काम से मंडौर गई थी। वापस घर लौटते वक्त दिन दहाड़े बाइक सवार बदमाश ने बैग छीना और निकल भागा। बाइक सवार बबिता के पीछे काफी देर से लगा हुआ था। वह पहले बबिता के आगे बाइक से निकल जाता है फिर गाड़ी मोड़कर वापस लौटता और वारदात अंजाम देकर देती से चला जाता है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

फिल्म एक दिन का नया पोस्टर रिलीज, जुनैद खान और साई पल्लवी का दिखा प्योर रोमांटिक अंदाज

एक दिन एक ऐसी रोमांटिक और जादुई प्रेम कहानी का वादा करती है जिसमें साई पल्लवी और जुनैद खान की शानदार केमिस्ट्री देखने को मिलेगी. इसके साथ ही, यह फिल्म आमिर खान और मंसूर खान जैसे दिग्गज फिल्ममेकर्स के रीयूनियन का गवाह बनेगी, जो जो जीता वही सिकंदर और जाने तू... या जाने ना जैसी कल्ट क्लासिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं.

आमिर खान और मंसूर खान की वो सुपरहिट जोड़ी, जिसने हमें कयामत से कयामत तक और जाने तू... या जाने ना जैसी क्लासिक फिल्में दी हैं, एक बार फिर एक प्यारी सी लव स्टोरी लेकर वापस आ गई है. जुनैद खान और साई पल्लवी स्टारर एक दिन एक ऐसी कोमल और जादुई रोमांस की कहानी है, जो जज्बातों और रिश्तों की सादगी का जश्न मनाती है.

टीजर रिलीज होने के बाद दर्शकों को इस जादुई प्रेम कहानी की एक झलक मिली है. इसमें जुनैद खान का वो प्यारा सा अनाड़ीपन और शर्मीला अंदाज, साई पल्लवी की सादगी और चमक के साथ एकदम फिट बैठ रहा है. फैंस प्यार के इस नए और ताजा अंदाज को पर्दे पर देखने के लिए अब और भी ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं.

वैलेंटाइन डे के खास मौके पर आमिर खान प्रोडक्शंस ने एक दिन का एक नया पोस्टर शेयर किया है. इस पोस्टर में एक बहुत ही प्यारा और सुकून भरा पल कैद किया गया है. एक शांत से सुपरमार्केट में जुनैद और साई एक–दूसरे के सामने खड़े हैं और साई के हाथ में एक मफिन है जिस पर एक मोमबत्ती जल रही है. यह छोटा सा लेकिन दिल छू लेने वाला पल उस कोमल और प्यारी प्रेम कहानी की झलक देता है जो इस फिल्म की जान है. पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, बस एक दिन ही काफी है, टीजर अब आउट, देखिए एक दिन सिर्फ सिनेमाघरों में, 1 मई 2026 को.

एक दिन के जरिए आमिर खान और डायरेक्टर–प्रोड्यूसर मंसूर खान की आइकॉनिक जोड़ी लंबे समय बाद साथ वापसी कर रही है. इस जोड़ी ने पहले भी कयामत से कयामत तक, जो जीता वही सिकंदर, अकेले हम अकेले तुम और जाने तू... या जाने ना जैसी यादगार फिल्में दी हैं. अब एक बार फिर वे एक रोमांटिक लव स्टोरी के लिए साथ आए हैं, जो इस फिल्म को देखने की एक बड़ी वजह बन गई है. इस रीयूनियन ने फिल्म की और झलकियां देखने की उत्सुकता को और भी बढ़ा दिया है.

आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी इस फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं. सुनील पांडे के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है. फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

ओ रोमियो ने आते ही बिगाड़ा बॉर्डर 2 का खेल, लाखों में सिमटी कमाई

सनी देओल की बॉर्डर 2 को सिनेमाघरो में दहाड़ते हुए तीन हफ्ते पूरे हो चुके हैं. चौथे हफ्ते में एंट्री करते ही अब इस वॉर ड्रामा को शाहिद कपूर की नई रिलीज श्ओयरोमियोच टक्कर देने आ गई है. इसी के साथ बॉर्डर 2की कमाई को बड़ा झटका लगा है. चलिए यहां जानते हैं नई रिलीज फिल्म के आने के बाद बॉर्डर 2 ने चौथे फ्राइडे यानी 22वें दिन कितना कलेक्शन किया है?

सनी देओल की बॉर्डर 2 23 जनवरी, 2026 को थिएटर में रिलीज हुई थी तब से ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. रिलीज के तीन हफ्तों में इसने हर दिन करोड़ों में कलेकक्शन किया. बता दें कि इस फिल्म ने पहले हफ्घ्ते में ही 224.25 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली थी. इसके बाद इसने दूसरे वीक में 70.15 करोड़ कमाए, वहीं थिएटर में अपने तीसरे हफ्घ्ते में इसने 23.35 करोड़ का कलेक्शन किया. हालांकि चौथे शुक्रवार को श्बॉर्डर 2च की कमाई को झटका लगा. दरअसल नई रिलीज फिल्मों के चलते इसने पहली बार लाखों में कमाई की है. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक बॉर्डर 2 ने रिलीज के 22वें दिन यानी चौथे शुक्रवार को 80 लाख रुपये कमाए हैं. इसी के साथ श्बॉर्डर 2च ने रिलीज के 22 दिनों में भारत में कुल 318.55 करोड़ कमा लिए हैं. बॉर्डर 2 की कमाई में रिलीज के 22वें दिन भले ही काफी गिरावट दर्ज की गई है लेकिन इसने ऋतिक रोशन की साल 2019 की रिलीज वॉर के लाइफटाइम कलेक्शन 318.01 करोड़ को मात दे दी है. अब इसके निशाने पर सलमान खान की बजरंगी भाईजान (320. 34 करोड़) है. उम्मीद है कि तीसरे शनिवार को फिलम इस उपलब्धि को भी हासिल कर लेगी. वहीं अब ये भी देखने वाली बात होगी कि नई रिलीज फिल्मों के आगे श्बॉर्डर 2च चौथे वीकेंड पर कितनी कमाई कर पाती है. श्बॉर्डर 2च का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है. फिल्म में सनी देओल के अलावा वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी, मोना सिंह, मेधा राणा और सोनम बाजवा सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है.

बैटल ऑफ गलवान से रोमांटिक सॉन्ग मैं हूं रिलीज, चित्रांगदा सिंह संग दिखी सलमान खान की लविंग केमिस्ट्री

मातृभूमि को मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, जिसने सभी प्लेटफॉर्म्स पर 50 मिलियन व्यूज

का आंकड़ा पार कर लिया है. अब सलमान खान फिल्म्स ने बैटल ऑफ गलवान वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक मैं हूं पेश किया है. ऐसे में, सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया यह पूरा गाना अब रिलीज हो चुका है और यह फिल्म की भावनाओं को खूबसूरती से समेटे हुए है.

सोशल मीडिया हैंडल पर गाना शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा, मैं हूं, एक रिश्ते के भीतर के प्यार को बखूबी दर्शाता है, जिसमें परिवार के साथ बिताए हंसी–खुशी के पलों से लेकर अकेलेपन और खामोश इंतजार तक का सफर दिखाया गया है. यह गाना एक फौजी के परिवार की जिंदगी के उतार–चढ़ाव को बड़ी कोमलता से पेश करता है. घर पर बिताए खुशनुमा दिनों की गर्माहट और फिर ड्यूटी की पुकार पर होने वाली जुदाई का वो मीठा सा दर्द. यह इमोशनल बदलाव कहानी में इस तरह पिरोया गया है कि गाना दिल को छू लेने वाला और बेहद मार्मिक बन जाता है.

विजुअली, यह ट्रैक खुशी और तड़प के बीच एक बैलेंस बनाए रखता है. हम सलमान खान को दिल को छू लेने वाले और सौम्य पलों में देखते हैं मुस्कुराते हुए, जश्न मनाते हुए और अपने परिवार के साथ वक्त बिताते हुए, वहीं दूसरी तरफ कुछ फ्रेम्स इमोशनल दूरी और अकेलेपन को भी बयां करते हैं. चित्रांगदा सिंह ने अपने किरदार में शालीनता और एक खामोश मजबूती दिखाई है. उनकी केमिस्ट्री मैच्योर, नेचुरल और गहराई से सच्ची महसूस होती है.

अयान लाल, जो इस फिल्म के म्यूजिक डायरेक्टर और कंपोजर भी हैं, उन्होंने एक ऐसी सुकून देने वाली धुन दी है जो गाना खत्म होने के बाद भी जहन में बनी रहती है. श्रेया घोषाल और अयान लाल की आवाज ने इस ट्रैक की भावनाओं को और भी गहरा बना दिया है. वहीं, अयान लाल और शब्बीर अहमद के लिखे बोल बहुत ही सटीक और दिल को छू लेने वाले हैं, जो एक फौजी के पीछे खड़े उसके परिवार की कुर्बानियों और उनकी खामोश ताकत को बयां करते हैं.

बैटल ऑफ गलवान का निर्माण सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने किया है, और अपूर्व लाखिया इसके डायरेक्टर हैं. यह फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की एक सच्ची तस्वीर पेश करने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी.

दो दीवाने सहर में मैं नैना बनकर सीखा कि भाई–बहनों के बीच तुलना, खुशियां चुरा लेती हैं: संदीपा धर

20 फरवरी को रिलीज होने जा रही फिल्म श्दो दीवाने सहर मेंय में नैना के किरदार में नजर आने जा रही संदीपा धर ने हाल ही में अपने फैंस के साथ एक ऐसा भावुक और सच्चा अनुभव साझा किया है, जिससे हम सब कभी न कभी गुजरे होंगे। फिल्म में

मृणाल ठाकुर की बहन बनी संदीपा धर ने जिस खूबसूरती से अपनी बात रखी है, उससे उनके फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। हालांकि अपने इस पोस्ट के जरिए उन्होंने न सिर्फ समाज की सच्चाई सामने रखी है, बल्कि फिल्म के भावनात्मक पहलू को भी उजागर किया है। संदीपा ने अपने सोशल मीडिया पर एक संदेश के साथ कड़वी सच्चाई बयां करते हुए लिखा है, अपने भाई या बहन को देखो, वह कितना अच्छा हैज् यह एक ऐसा वाक्य है जो बचपन की अनकही यादों को तुरंत जगा देता है। इस नोट के साथ उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में नैना और रोशनी का रिश्ता इसी तुलना के दुष्चक्र से गुजरता है। रोशनी को बार–बार यह एहसास दिलाया जाता है कि वह श्काफी नहींच है, और नैना पर श्बहुत ज्यादा परफेक्टच बने रहने का दबाव रहता है। संदीपा के मुताबिक, नैना का किरदार निभाते हुए उन्हें समझ आया कि कैसे लगातार तुलना किसी की पहचान, आत्मविश्वास और रिश्तों को धीरे–धीरे खोखला कर देती है। संदीपा कहती हैं कि तुलना, भाई–बहनों को प्रतिद्वंद्वी बना देती है, प्यार को शर्तों से जोड़ देती है और ऐसे जख्म छोड़ जाती है जिन्हें भरने में सालों लग जाते हैं। माता–पिता, शिक्षक या रिश्तेदार अक्सर अनजाने में कहे गए अपनी बहन जैसी बनो जैसे वाक्यों के असर को नहीं समझ पाते, लेकिन वही बातें जीवन भर दिमाग में गूंजती रहती हैं। गौरतलब है कि रोमांस से आगे बढ़कर, दो दीवाने सहर में एक ऐसी सच्चाई को सामने लाती है, जिसे आप छोटी उम्र से ही महसूस करना शुरू कर देते हैं। यकीन मानिए, यह तुलना सिर्फ बचपन को नहीं, बल्कि इंसान की पूरी पहचान को आकार देती है। ऐसे में ये फिल्म दर्शकों से भी एक सीधा सवाल पूछती है कि बचपन में आप नैना थीं या रोशनी?

कम बजट में घूमने की है योजना? इन 5 बातों का ध्यान रखकर करें प्लानिंग

अगर आप बजट में घूमने की योजना बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों का खास ध्यान रखना चाहिए। इससे आपका अनुभव सुखद और यादगार रहेगा। बजट में यात्रा करने से न केवल आपकी जेब पर भार नहीं पड़ेगा, बल्कि आपको नई जगहों का आनंद लेने और वहां की संस्कृति को करीब से जानने का मौका भी मिलेगा। आइए जानते हैं कि बजट में घूमने के लिए क्या–क्या करना चाहिए।

यात्रा की योजना बनाएं

यात्रा की योजना बनाना बहुत जरूरी है। सबसे पहले तय करें कि आपको कहां जाना है और वहां कैसे पहुंचना है। अपने बजट का हिसाब रखें और देखें कि कौन सी सेवाएं आपके लिए सस्ती और सुविधाजनक हो सकती हैं। इसके अलावा यात्रा के दौरान क्या–क्या करना है, कहां ठहरना है और क्या–क्या देखना है, इसकी भी योजना बनाएं। इससे आपकी यात्रा सुचारू और मजेदार रहेगी।

स्थानीय परिवहन का उपयोग करें

बजट में यात्रा करने के लिए स्थानीय परिवहन का उपयोग करना अच्छा विकल्प हो सकता है। यह न केवल सस्ता होता है, बल्कि इसमें घूमने से आपको स्थानीय लोगों से मिलने और उनकी संस्कृति को जानने का मौका भी मिलता है। बस, ट्रेन या ऑटो रिक्शा जैसे साधनों का उपयोग करके आप नए अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय परिवहन से आपकी यात्रा अधिक रोमांचक और यादगार बन सकती है, जिससे आपको नई जगहों का असली मजा मिलेगा।

खाने–पीने पर ध्यान दें: यात्रा करते समय आपको हमेशा अच्छा और सस्ता भोजन करना चाहिए। होटल रेस्टोरेंट के बजाय स्थानीय ढाबों या सड़क किनारे मिलने वाले खाने का आनंद लें। इससे न केवल आपका खर्चा कम होगा, बल्कि आपको असली स्वाद और अनुभव भी मिलेगा। स्थानीय व्यंजनों का सेवन करके आप वहां की संस्कृति और जीवनशैली को करीब से जान सकते हैं। इसके अलावा स्थानीय खाने से आपकी सेहत भी बेहतर बनी रहती है।

मुफ्त में घूमने वाली जगहों पर जाएं

हर शहर या देश में कुछ ऐसी जगहें होती हैं, जहां जाने के लिए आपको पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं पड़ती। इन जगहों पर जाकर आप वहां की प्राकृतिक सुंदरता, पुरानी धरोहर और सांस्कृतिक विविधता का आनंद ले सकते हैं। पार्क, संग्रहालय, पहाड़ या समुद्र तट जैसी जगहें आपकी बजट यात्रा का हिस्सा बन सकती हैं। इनसे न केवल आपका खर्चा बचेगा, बल्कि आपको नई जगहों की असली खूबसूरती देखने को मिलेगी।

समूह में यात्रा करें: अगर संभव हो तो समूह में यात्रा करें, जिससे आपके पैसे बच जाएंगे। इससे आपकी लागत कम आएगी, क्योंकि समूह में यात्रा करने पर आप होटल और गाड़ी आदि खर्चों को बांट सकते हैं। इसके अलावा समूह में यात्रा करने से आपको नए दोस्त बनाने का मौका मिलता है और साथ–साथ कई मजेदार अनुभव भी मिलते हैं। यह तरीका न केवल आपकी जेब पर हल्का रहेगा, बल्कि यात्रा को और भी यादगार और रोमांचक बना देगा।